वर्ष : 26 | अंक : 17 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 07 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

अयोध्या में सात सुरक्षा एजेंसियों के लगे कैंप

प्राण प्रतिष्ठा के दिन होंगे 30,000 जवान

अयोध्या (एजेंसी)। 22 जनवरी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। स्टेट एजेंसियों के अलावा केंद्र की एजेंसियों ने भी जिले में कैंप किया है। 15 टीमें विभिन्न इलाकों में छानबीन करके इनपुट तलाश रही हैं। वहीं, श्रीराम मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा कमांडो के हवाले किया गया है। रामनगरी में लगभग 30,000 जवान तैनात किए जा रहे हैं।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में आईबी, एलआईयू, एटीएस, एसटीएफ, मिलिट्री इंटेलिजेंस समेत सात सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व ही कैंप किया है। खुफिया जानकारी जुटा रही टीमों में एक डिप्टी एसपी, एक निरीक्षक व छह-छह सिपाही लगे हैं। इन्हें मोबाइल ट्रैकिंग सिस्टम समेत तमाम आधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है। अयोध्या में होने वाली तमाम संभावित गतिविधियों पर उनकी नजर है। फिदाइन हमले रोकने के लिए मंदिर के आसपास क्रैश रेटेड बोलार्ड लगाए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों से आसपास के इलाकों की निगरानी होगी। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। ये जवान आतंकी खतरों से निपटने की क्षमता रखते हैं। यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों की कुल संख्या 294 है। इन्हें वॉच टावर के साथ सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है। स्क्रीन के जरिये पूरे एयरपोर्ट की सुरक्षा की सतत निगरानी शुरू कर दी गई।

दो दिन नहीं गुरजेंगे भारी वाहन

21 और 22 जनवरी को भारी वाहन इधर से नहीं जाएंगे। छोटे वाहनों के लिए अलग से व्यवस्था होगी। आमंत्रित अतिथियों के लिए बेहतर व्यवस्था रहेगी। पार्किंग स्थलों पर कैमरे लगाए जा रहे हैं। राम मंदिर की सुरक्षा का नया प्लान लागू किया जा रहा है। बिना अनुमति इस क्षेत्र में ड्रोन नहीं उड़ाए जा सकेंगे। श्रद्धालुओं से बेहतर व्यवहार के लिए पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

वायुसेना को मिली बड़ी सफलता

रात में पहली बार करगिल में लैंड कराया हरक्यूलिस विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को बड़ी सफलता मिली है। दरअसल वायुसेना ने अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान को रात के समय कारगिल हवाई पट्टी पर उतारने में सफलता हासिल की है। इस दौरान वायुसेना के गरुड़ कमांडोज को भी सुपर हरक्यूलिस विमान में बिठाकर कारगिल भेजा गया। यह कमांडोज की ट्रेनिंग का भी हिस्सा था कि कैसे आपात स्थिति में उनकी जल्द से जल्द मोर्चे पर तैनाती की जा सकती है। गरुड़ कमांडो फोर्स, वायुसेना की

स्पेशल फोर्स है। वायुसेना ने लैंडिंग का वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है।

ऊंचाई वाले मुश्किल हालात में एयरक्राफ्ट की लैंडिंग हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहती है। ऐसे में कारगिल जैसे ऊंचे पहाड़ों वाले इलाके में सुपर हरक्यूलिस विमान की सफल लैंडिंग एक बड़ी सफलता है। इससे पहले वायुसेना के पायलटों ने उत्तराखंड में धारासू में सुपर हरक्यूलिस विमान की सफल लैंडिंग कराई थी। खास बात ये है कि ये लैंडिंग एक चुनौतीपूर्ण मौसम में कराई गई थी। धारासू में जहां लैंडिंग कराई गई, वह 3000 फीट की ऊंचाई पर स्थित जगह है।

अमेरिका की लॉकहीड मार्टिन कंपनी द्वारा बनाया गया सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान एक ट्रांसपोर्ट विमान है, जो वायुसेना की 12वीं फ्लीट का हिस्सा है। इन्हें साल 2011 में वायुसेना में शामिल किया गया था।

नोएडा में दौड़ेगी पॉड टैक्सी

नोएडा। नोएडा देश का बेहतरीन सुविधाओं वाला शहर बनने जा रहा है। अभी तक विदेशों में चलने वाली पॉड टैक्सी अब नोएडा में भी दौड़ेगी। सबसे खास बात है कि नोएडा एनसीआर का ही नहीं बल्कि देश का पहला शहर होगा जहां ये सुविधा शुरू की जाने वाली है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा में भारत का पहला व्यक्तिगत रैपिड ट्रांजिट (पीआरटी) बनाने की योजना को मंजूरी दे दी है जो पॉड टैक्सियों के माध्यम से जेवर में आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को यमुना एक्सप्रेसवे के साथ व्यापार केंद्रों से जोड़ता है।

पॉड टैक्सी ऐसी इलेक्ट्रिक कार होती हैं जो बिना ड्राइवर के चलती हैं। देखने में बेहद ही सुंदर ये कारें कुछ यात्रियों को बैठा कर बहुत तेज गति से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए डिजाइन की जाती हैं। पॉड टैक्सी में मात्र एक छोटा का डब्बा नुमा कोच होता है। यह इलेक्ट्रिक वाहन स्टील के ट्रैक पर चलती है। अगर सब ठीक रहा तो इस साल के अंत तक पॉड टैक्सी में बैठने का मौका मिल सकता है।

अंदर से बेहद साफ और सुंदर दिखने वाली पॉड टैक ?सी में 4 से 6 लोग एक साथ बैठ सकते हैं। अंदर से बेहद साफ और सुंदर दिखने वाली पॉड टैक्सी में 4 से 6 लोग एक साथ बैठ सकते हैं।

बता दें कि पहले पॉड टैक्सी को नोएडा के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सेक्टर 21 में फिल्म सिटी तक जोड़ना था लेकिन अब रूट को बदलकर एयरपोर्ट से परी चौक तक बनाने का फैसला लिया गया है। करीब 37,000 यात्री इन नए युग की आधुनिक पॉड टैक्सियों में रोजाना सफर कर

सकेंगे। इसका रूट 28 किलोमीटर लंबा होगा और इसमें 12-14 स्टेशन होंगे। पॉड टैक्सी का किराया 10 रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से होगा यहीं नहीं अगले पांच साल तक किराया बढ़ाया नहीं जाएगा। यह टैक्सी 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ़्तार से दौड़ेगी।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह का कहना है कि पॉड टैक्सी परियोजना के लिए दोबारा टेंडर निकाले जाएंगे। इसके बिड डाक्यूमेंट में बदलाव किए जाएंगे। इस संबंध में शासन में जल्द बैठक होगी।

गुलशन ग्रुप के डायरेक्टर दीपक कपूर कहते हैं कि मेट्रो, रैपिड रेल और एयरपोर्ट आने से नोएडा व ग्रेटर नोएडा के विकास में तेजी आई है। लोग इन शहरों को वरीयता दे रहे हैं। यहां लगातार नए प्रोजेक्ट आ रहे हैं और निवेश बढ़ रहा है। पॉड टैक्सी आने के बाद यहां ट्रांसपोर्ट और बेहतर होगा। वहीं एसकेए ग्रुप के डायरेक्टर संजय शर्मा ने बताया कि ट्रांसपोर्ट के बेहतर साधनों की वजह से नोएडा और ग्रेटर नोएडा रहने के लिए बेहद लग्जरी स्थान बन चुके हैं। यही कारण है कि लगातार यहां न सिर्फ नए रियल एस्टेट प्रोजेक्ट आ रहे हैं बल्कि डिमांड बढ़ने से निवेश भी बढ़ रहा है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करने वाले उल्लू गैंग के पांच शातिर चोर गिरफ्तार

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-24 पुलिस ने एनसीआर से ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करने वाले अंतरराज्जीय उल्लू गैंग के पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपित फरार हैं। इनके कब्जे से आठ चोरी के ट्रैक्टर व तीन तमंचे व चार कारतूस बरामद हुए हैं। गैंग का नाम उल्लू इसलिए पड़ा क्योंकि यह जिस रात चोरी करते थे, उस रात कहते थे कि आज रात उल्लू उड़ेगा।

एडीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपितों को सेक्टर-54 रेड लाइट से गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान दिलशाद उर्फ दिलशान उर्फ बिहारी, अनीस उर्फ अनीसुद्दीन, शहजाद, वरुण और भूपेन्द्र निवासी जनपद मेरठ के रूप में हुई है। वहीं संसार और सलमान फरार हैं।

पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि हम लोग अपने साथी संसार उर्फ प्रधान और सलमान निवासी टिकरी मेरठ के साथ मिलकर अवैध असलहा से लैस होकर सड़क किनारे खड़े व खाली प्लाट से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को चोरी करके अपने साथी वरुण व भूपेन्द्र को सुपुर्द कर बेच देते थे। हम लोग हमेशा चोरी करने के लिए रात में ही निकलते हैं।

घटना करने से पहले हम सभी साथी एकत्र होने के लिए इस कोड का प्रयोग करते है कि उल्लू उड़ेगा। इतना कहने से ही हम समझ जाते हैं कि आज हमें चोरी की घटना को अंजाम देना है। जो अवैध असलाह व कारतूस हम लोगो से बरामद हुआ है वह हम अपनी सुरक्षा के लिए रखते हैं कि आवश्यकता पड़ने पर उसका प्रयोग कर सके और चोरी किये गये ट्रैक्टर व ट्रॉली को बेचकर हम अच्छा पैसा कमा लेते हैं।

फोनरवा चुनाव में वोट दो नोट पाओ का भी चल रहा है खेल

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) की चुनाव प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष समेत विभिन्न पदों के लिए आज मतदान हो रहा है। आज सुबह दस बजे ही मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई थी, जिसमें पूरे नोएडा से 227 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। मतदान स्थल पर वोट देने वालों और वोट की आशा करने वालों का पूरा मेला लगा हुआ है। इलेक्शन बिल्कुल निष्पक्ष आधार पर चल रहा है। मतदान संपन्न होने के बाद शाम को परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव को लेकर कुछ अजब गजब नजारे भी सामने आ रहे हैं। वोट दो नोट पाओ का खेल भी इस चुनाव में चल रहा है।

मतदान स्थल के बाहर चुनाव मैदान में भाग्य आजमा रहे दोनों पैनलों के प्रत्याशी अपने दल बल के

साथ बाहर खड़े हैं। दोनों टीमों के प्रत्याशी आमने-सामने खड़े है गेट से जो भी मतदाता निकलता है इनसे मिलकर ही अंदर जाता है। दोनों टीमों द्वारा मतदाताओं का स्वागत भी किया जा रहा है और साथ ही अपने अपने पक्ष में मतदान करने की अपील भी की जा रही है।

आपको बता दें कि फोनरवा चुनाव के लिए योगेंद्र शर्मा-केके जैन पैनल से अध्यक्ष पद के लिए योगेंद्र शर्मा, महासचिव पद के लिए केके जैन, कोषाध्यक्ष पद के लिए पवन यादव। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए अशोक मिश्रा, विजय भाटी, देवेंद्र सिंह चौहान व सुशील यादव। उपाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप वोहरा, अशोक शर्मा, लाटसाहब लोहिया व संजय चौहान। लीगल सचिव पद के लिए उमाशंकर शर्मा। सचिव पद के लिए विनोद शर्मा, सुखबीर, देवेंद्र सिंह और जीएस सचदेवा। सह सचिव पद के लिए सुशील शर्मा, कोशिंदर यादव, हिरदेश कुमार गुप्ता व राजेश सिंह। सह कोषाध्यक्ष पद के लिए भूषण शर्मा चुनाव मैदान में है। शाम पांच बजे तक मतदान होगा ओर उसके बाद वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी। जिसके बाद चुनाव परिणाम को घोषित कर दिय जाएगा।

सोशल मीडिया पर वायरल खबरों के अनुसार, फोनरवा के चुनाव में एक पैनल ने अपने मतदाताओं से कहा है कि मतदान की मोबाइल से फोटो खींचकर सबूत दिखाओ और 50000 नगद ले जाओ। कल रात से ही कई मतदाताओं ने इसकी जानकारी दी है। इसके बाद से चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। कुछ मतदाताओं ने मांग की है कि जिलाधिकारी इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करके चुनाव अधिकारी को निर्देश दें कि मतदान के दौरान कोई भी मतदाता अंदर मोबाइल फोन ना ले जा पाए।

फिल्म सिटी बनाने के लिए सुपर कैसेट्स बोनी कपूर और केसी बोकाडिया आए आगे

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश की फिल्म सिटी बनाने के लिए बोनी कपूर, केसी बोकाडिया व सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज जैसे बॉलीवुड के दिग्गज आगे आए हैं। फिल्म सिटी के लिए चार कंपनियों ने निविदा डाली है।

इन कंपनियों की तकनीकी निविदा शुक्रवार को ही खोली गई। मूल्यांकन के बाद सफल कंपनियों की वित्तीय निविदा खोली जाएगी। इसकी तारीख यमुना प्राधिकरण तय करेगा। प्रदेश में फिल्म सिटी बनाने के प्रयास लंबे समय से चल रही है, लेकिन विकासकर्ता का चयन न होने के कारण यह प्रयास अभी तक फलीभूत नहीं हो सके। दो बार असफल निविदा के बाद यमुना प्राधिकरण को तीसरी बार निविदा में सफलता मिली है। फिल्म सिटी की निविदा डालने के लिए शुक्रवार को अंतिम दिन था। अंतिम दिन फोर लायन्स फिल्म प्रा. लि. की ओर से निविदा डाली गई। प्राधिकरण ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि चारों कंपनियों की तकनीकी निविदा का मूल्यांकन किया जाएगा। औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित निविदा मूल्यांकन समिति के सम्मुख चारों कंपनियों के प्रतिनिधियों को परियोजना का प्रस्तुतिकरण करना होगा। इसके बाद वित्तीय निविदा खोली जाएगी। यमुना प्राधिकरण सीईओ डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि निविदा में शामिल चारों आवेदकों में जो कंपनी सबसे अधिक राजस्व की बोली लगाएगी। उसका चयन विकासकर्ता के लिए किया जाएगा। फिल्म सिटी के लिए निविदा डालने वाली कंपनियों के समूह में एक कंपनी का फिल्म निर्माण से जुड़ा होना जरूरी है। फिल्म सिटी के लिए कुछ कंपनियों ने समूह बनाकर निविदा में भागीदारी की है। बालीवुड के फिल्म निर्माता निर्देशक बोनी कपूर बेव्यू प्रोजक्ट्स एलएलपी, केसी बोकाडिया फोर लायन्स फिल्म प्रा. लि. से जुड़े हैं। फिल्म सिटी परियोजना एक हजार एकड़ में है। प्राधिकरण इसे चरणबद्ध तरीके से विकसित करेगा। पहले चरण में 230 एकड़ में फिल्म सिटी विकसित होगी। इसमें स्टूडियो, प्री व पोस्ट प्रोडक्शन की सुविधाएं, विशेष दृश्य एवं ध्वनि प्रभाव के स्टूडियो, इंडोर व आउटडोर लोकेशन आदि विकसित होंगी।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

नोएडा प्राधिकरण को पहली बार मिला वाटर प्लस सर्टिफिकेट

नोएडा (चेतना मंच)। स्वच्छता सर्वेक्षण मामले में पहली बार एक पायदान ऊपर चढ़ते हुए नोएडा ने वाटर प्लस सर्टिफिकेट पाया है। इसके अलावा पिछले साल की तरफ इस बार भी गारबेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैंकिंग पायी है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की फाइनल रैंकिंग 11 जनवरी को घोषित की जाएगी। उसी समय दोनों सर्टिफिकेट भी नोएडा प्राधिकरण को दिए जाएंगे। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को अपने पोर्टल पर स्वच्छता को लेकर शहरों को दिए सर्टिफिकेट की जानकारी अपलोड कर दी गई।

इसके तहत नोएडा ने ऊंची छलांग लगाई है। नोएडा प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम ने बताया कि वाटर प्लस सर्टिफिकेट पाने के लिए तीन-चार साल से प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन अब जाकर सफलता हाथ लगी है। यूपी में इन मानक पर नोएडा नंबर-1 की श्रेणी में शामिल हो गया है।

अभी तक ओडीएफ प्लस प्लस का सर्टिफिकेट नोएडा के पास था। वाटर प्लस

इससे एक ऊपर पायदान की श्रेणी होती है। शौचालय और सीवेज लाइन का नेटवर्क जोड़ने की वजह से वाटर प्लस नोएडा को मिला है।

गारबेज फ्री सिटी का पुरस्कार लोगों के घरों से कूड़ा लेना, उसको पृथक-पृथक करना और उसका निस्तारण करने की वजह से मिला है। दूसरी ओर नोएडा को राज्य स्तरीय पुरस्कार से नवाजा जाएगा। गारबेज फ्री सिटी की फाइव स्टार रैंकिंग पिछले बार भी नोएडा के पास थी। गौरतलब है कि पिछले साल जारी स्वच्छता रैंकिंग में तीन से 10 लाख की आबादी में उत्तर प्रदेश पहला और देश में 11 स्थान मिला था।

11 जनवरी को जारी होगा अंतिम परिणाम

अब 11 जनवरी को फाइनल रिजल्ट घोषित किया जाएगा। उम्मीद है कि इस बार देश के टाप 10 शहर में नोएडा को स्थान मिलेगा। बता दें नोएडा तीन से 10 लाख तक की जनसंख्या की श्रेणी में प्रतिभाग करता आया है।

इस क्रम में वर्ष 2018 में नोएडा की रैंक 324 रही, 2019 में 150 और प्रदेश में प्रथम स्थान मिला। वर्ष 2019 में नोएडा को गार्बेज फ्री सिटी कैटेगरी में तीन स्टार रैंकिंग ओपन डिफेक्शन फ्री सिटी कैटगेरी में ओडीएफ प्लस प्लस मिला। वर्ष 2020 में 25 वीं रैंक और वर्ष 2021 में 4 रैंक हासिल की।

क्लीनेस्ट मीडियम सिटी और पांच स्टार गर्बेज फ्री सिटी के साथ लगातार प्रोसेसिंग क्षमता को बढ़ा रहा है। यही वजह है वर्ष 2022 में 5 वीं रैंक के साथ बेस्ट सेल्फ सस्टेनेबिलिटी सिटी चयनित किया गया।

वर्ष 2023 का परिणाम 11 जनवरी को आएगा। यही नहीं नोएडा में एकीकृत कंट्रोल कमांड सेंटर स्थापित किया गया। वहां पांच हजार स्वच्छता कर्मियों के चेहरे की पहचान की जाती है।

शहर में मैकेनिकल स्वीपिंग सिंगल यूज प्लास्टिक को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। यहां ट्रिपल आर के जरिये लोगों को जागरूक किया जा रहा है। यहां नालों में बांबू स्क्रीन और एमएस बार स्क्रीन का प्रयोग किया जा रहा है। ताकि फ्लोटिंग मेटेरियल बाहर निकालकर निस्तारण किया जा सके।

ISHWAR PHYSIO CARE
PHYSIOTHERAPY & REHABILITATION
Dr. Ankur Sharma (PT)
Physical Therapy For Elderly
Neurological Therapy
Orthopedic Physiotherapy
Sports Physiotherapy
Home Visit Available
9990144473, 8130990799
C-16, Jaipuria Building, Kaushambi

नए आदेशों में सीपीएस

सरकार के कार्य, सरकार की दक्षता और सत्ता में हिस्सेदारी के फलक पर मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति पर आया हाई कोर्ट का अंतरिम आदेश अपने आप में कई अर्थ लिए है। आदेश की पलकों पर सवार होकर भाजपा खुशियां मना सकती है, लेकिन सरकार की ये नियुक्तियां अभी यथावत हैं तो इसलिए कि माननीय अदालत ने इसके खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की। यानी बिना मंत्री पद की सुविधाओं, शक्तियों और भत्तों के अगर जहाज उड़ रहे हैं, तो सियासी फिजा में फिलहाल कोई खतरा नहीं। फैसले की वजह अभी बाकी है और निष्कर्षों का सामान भी। सरकार के गठन में सियासी संतुलन और क्षेत्रीय महत्त्वाकाक्षाओं के रथ पर सवार ऐसे पद पहले भी विवादित रहे हैं तथा कानूनी तौर पर एक पक्ष इनके खिलाफ रहा। सरकारों की अमानत में ऐसी नियुक्तियों का ढहना भी विरोध की सियासत का उठना है। ऐसे में बहुप्रतीक्षित फैसले के निर्देश भले ही सख्त हैं, लेकिन बारह मार्च तक कई नेताओं के सम्मान बरकरार हैं। निर्णय के दूसरी ओर भाजपा के लिए यह नैतिकता के प्रश्न पर कानूनी इबारत है जो उसके विरोध व कानूनी लड़ाई को एक आयाम तक पहुंचा रही है। सीधे तौर पर जिस जश्न की फिराक में सत्ता के रंग कमोबेश मंत्रियों की पोशाक में मुख्य संसदीय सचिवों को सुशोभित कर रहे थे, वहां एक विराम सी खामोशी दे गई। वैसे भी सरकार के व्यवहार में अग्रणी होने की ख्वाहिश सत्ता पक्ष के विधायकों में रहती है। सीपीएस बन कर मंत्री सरीखा प्रोटोकोल, प्रशासनिक पहुंच तथा मीडिया संवाद में सरकार की व्याख्या करते नेता क्या अब शांत हो जाएंगे। इनके पास बाकायदा विभागों के दायित्व और सरकार के महकमों का नूर भी चलता रहा है, तो क्या अब मुख्य संसदीय सचिव का पद सिर्फ एक विधायक का तमगा या सरकार के बागीचे का महज एक फूल है। वित्तीय शक्तियों के तराजू भले ही अदालत ने बांध दिए या सरकार की ओर स्पष्ट किया गया है कि ये पद मंत्रियों की तरह नहीं नवाजे गए, लेकिन व्यावहारिकता में अब भी भाजपा की नुक्ताचीनी में सीपीएस महोदयों पर विपक्ष की निगरानी रहेगी। अंतिम फैसले की आहट कितनी गंभीरता से अब मुआयना करेगी, यह तो कहा नहीं जा सकता, लेकिन कुछ अंकुश जरूर लगेगा सत्ता के इस सफर पर। यह इसलिए भी कि अंतरिम फैसला सत्ता के इन पदों की देह भाषा बदलेगा। अब तक की परिस्थितियों में अदालत के निर्देश नहीं थे, जबकि आइंदा विपक्ष अपने विरोध के जज्बात लिए फैसले की नसीहत में निगरानी करने में चूक नहीं दिखाएगा। हालांकि मोटे तौर पर ऐसी कानूनी लड़ाइयों से न तो राज्य की प्रतिष्ठा बढ़ रही है और न ही सरकारों के अपव्यय रुक रहे हैं। हिमाचल का ही संदर्भ रखें, तो फिजूलखर्ची के आलम में कर्ज की कोई सीमा नहीं रही। न सरकारों के आकार और न ही प्रकार में कोई अंतर आया। अब केवल मंत्रिमंडल या बोर्ड-निगमों का अध्यक्ष या उपाध्यक्ष पद तक ही सरकार का आकार नहीं। अगर मंत्रिमंडल के सदस्यों की सीमारेखा तय है, तो सत्ता की किश्तियों पर अन्य कई धुरंधर सवार हो सकते हैं। काबीना मंत्री का पद न सही, कैबिनट रैंक से कोई भी सुशोभित हो सकता है। ऐसे में भाजपा के बारह विधायकों की मन्नत अगर कांग्रेस के छह विधायकों से रुतबा छीन रही है, तो भी यह संकल्प अधूरा और एकलक्षीय है। हिमाचल के अर्थतंत्र में नैतिकता के ऐसे कई सवाल हैं, जिनके ऊपर न विपक्ष कुछ बोलता और न ही सत्ता में आते कोई दल इनसे जूझता है। सुक्खू सरकार ने भी आत्मनिर्भरता के नारे में प्रदेश की आर्थिक स्थिति के उत्थान की कसम खाई है, लेकिन यथार्थ में फिजूलखर्ची पर कहीं अंकुश दिखाई नहीं देता। प्रदेश में कई अनावश्यक विभाग, निगम, बोर्ड, शिक्षण चिकित्सा संस्थान व दफ्तर हैं जिनके दरवाजे सदा सदा के लिए बंद कर देने चाहिएं। बेशक सुक्खू सरकार ने आते ही डिनोटिफिकेशन के साथ अलार्म बजा कर पिछली सरकार के अंतिम दौर की घोषणाओं को घूंघट में बंद किया, लेकिन असली मर्ज के लिए यही एक दवा नहीं। सरकार को अपने आकार में भी आदर्श स्थापित करने होंगे। हिमाचल को अब आर्थिक अनुशासन, बेहतर प्रशासन व बजटीय आश्वासन को मुकम्मल करना होगा। मिशन रिपीट, रिवाज बदलेंगे या कर्मचारियों पर भाषण देने के बजाय, राज्य की बेहतरी के लिए संसाधनों के सृजन और अपने भौगोलिक व प्राकृतिक संसाधनों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने की आदत डाल लेनी चाहिए। सत्ता के नर्म गद्दों पर तो हर कोई बैठना चाहता है, लेकिन प्रदेश के कांटों को बटोरने का सामर्थ्य जब तक पैदा नहीं होगा, कोई क्रांति नहीं आएगी।

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे की राह में बड़ी बाधा बन गयी प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी

विपक्षी गठबंधन इंडिया की चार बैठकों के बावजूद सीटों के तालमेल और प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का मुद्दा उलझने से लोकसभा चुनाव में भाजपा से मजबूती से संयुक्त रूप से मुकाबला करने पर संशय बना हुआ है। गठबंधन के दल अपनी सुविधा के हिसाब से चुनावी गणित लगा रहे हैं। क्षेत्रीय दल राज्यों के हिसाब से सीटों की दावेदारी जता रहे हैं। कोई भी दल यह नहीं चाहता कि उसके प्रभाव वाले राज्य में कांग्रेस या अन्य दलों से सीटों की शेयरिंग की जाए। यही कारण है कि विपक्षी एकता पर अभी तक सवालिया निशान लगे हुए हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में शिवसेना ने 23 सीटों पर अपना दावा किया। उद्धव गुट ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में उनके उम्मीदवारों ने काफी सीटें जीतीं थीं लेकिन अभी ज्यादातर उम्मीदवार एकनाथ शिंदे कैंप में जा चुके हैं। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में 23 सीटों की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) की मांग को खारिज कर दिया।

महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं का कहना था कि शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में बगावत होने के बाद कांग्रेस ही राज्य में सबसे पुरानी पार्टी बची है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि पार्टियों के बीच समायोजन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालांकि हर पार्टी सीटों की बड़ी हिस्सेदारी चाहती है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए शिवसेना की 23 सीटों की मांग काफी ज्यादा है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे की यूबीटी की 23 संसदीय सीटों की मांग पर तंज कसते हुए कहा कि शिवसेना 23 सीटों की मांग कर सकती है, लेकिन वे उनका क्या करेंगे? शिवसेना के नेता चले गए हैं, जिससे संकट पैदा हो गया है। उम्मीदवारों की कमी शिवसेना के लिए एक समस्या है। वर्ष 2019 में अविभाजित शिवसेना बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा थी। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी अब एमवीए का हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस और एनसीपी शामिल हैं। जून 2022 में एकनाथ शिंदे और 40 अन्य विधायकों ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था, जिससे पार्टी में विभाजन हो गया और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई। इसके बाद शिंदे ने राज्य में सरकार बनाने के लिए बीजेपी से हाथ मिला लिया।

इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का इंतजार किए बगैर ही समाजवादी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में इलेक्शन की तैयारी कर रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की जीत को लेकर बड़ा दावा कर दिया। अखिलेश यादव के मुताबिक अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है। इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें जीतेगा। पूर्व सीएम ने ये भी कहा कि 80 सीटें जीतकर बीजेपी को सत्ता से बाहर करना है। सपा अध्यक्ष के बयान से जाहिर है कि उत्तर प्रदेश में

महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं का कहना था कि शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में बगावत होने के बाद कांग्रेस ही राज्य में सबसे पुरानी पार्टी बची है। पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि पार्टियों के बीच समायोजन की जरूरत है।

कांग्रेस के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। अर्थात कांग्रेस को अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है। लेकिन यह निश्चित है कि अखिलेश यादव आसानी से कांग्रेस से सीट शेयरिंग करने को तैयार नहीं होंगे। दरअसल कांग्रेस नहीं चाहती कि बैठक में कोई ठोस निर्णय से पहले किसी तरह की जल्दबाजी करे। ऐसे में विपक्ष की एकता के बिखराव का ठीकरा कांग्रेस के सिर फूटेगा। इसी से कांग्रेस फिलहाल बचना चाहती है। सीट शेयरिंग का मुद्दा इंडिया गठबंधन के लिए सुलझाना आसान नहीं है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन देशभर में बीजेपी से मुकाबला करेगा। बंगाल में इस लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी। इससे जाहिर है कि ममता ने कांग्रेस को साफ संदेश दे दिया है कि पश्चिम बंगाल में सीट शेयरिंग का मुगालता नहीं पाले। इस पर भी कांग्रेस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। कांग्रेस के लिए बिहार में भी सीट शेयरिंग के दरवाजे आसानी से खुलने की संभावना नहीं है। ममता और अखिलेश की तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार भी इस बात के समर्थक रहे हैं कि जिन राज्यों में जिन दलों का प्रभाव है, अर्थात पिछले लोकसभा चुनाव में जिस दल की सीटें जितनी हैं, उस हिसाब से सीट शेयरिंग की जाए। ऐसे में बिहार में कांग्रेस के लिए तालमेल बिठाना मुश्किल है। कमोबेश यही स्थिति अरविन्द केजरीवाल की पार्टी आप की है। केजरीवाल भी कांग्रेस को दिल्ली और पंजाब से बाहर रखना चाहते हैं। केजरीवाल की पार्टी के अन्य नेता इस बात के संकेत दे चुके हैं, यदि समझौता हुआ भी तो कांग्रेस के हिस्से में नाममात्र की सीटे ही आएंगी। सीट शेयरिंग की तरह ही प्रधानमंत्री पद का मुद्दा भी विपक्षी एकता की कवायद को आगे बढ़ाने में मुश्किल पैदा कर रहा है। हालांकि यह मुद्दा तुलनात्मक रूप से फिलहाल इतना बड़ा नहीं है। दिल्ली में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित करने पर यह मुद्दा गरमा गया। हालांकि खरगे ने प्रधानमंत्री पद का दावेदार होने से इंकार कर दिया। खरगे ने प्रधानमंत्री पद के चेहरे के मुद्दे को ठंडे बस्ते में रखने की इच्छा व्यक्त की थी और इस बात पर जोर दिया था कि इंडिया गठबंधन को पहले पर्याप्त संख्या में लोकसभा सीटें जीतने की जरूरत है। ममता और केजरीवाल ने खरगे के नाम का दांव बड़ा सोच समझ कर चला। इससे राहुल गांधी के लिए परेशानी बढ़ सकती है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि 1977 का लोकसभा चुनाव विपक्ष ने मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना लड़ा था। पवार ने यह भी भरोसा जताया कि अगले आम चुनाव के लिए %इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि 1977 का लोकसभा चुनाव विपक्ष ने बिना प्रधानमंत्री पद का चेहरा पेश किए लड़ा था। चुनाव में विपक्ष की जीत के बाद मोरारजी देसाई को इस पद के लिए चुना गया। पवार ने कहा कि राज्यों में हाल के विधानसभा चुनावों में खराब नतीजों के बावजूद हमें विश्वास है कि लोग इंडिया गठबंधन को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में स्वीकार करेंगे। हम सभी एहतियात बरत रहे हैं। अभी तक सीट-बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है। लेकिन सर्वसम्मति बनाने और मतभेदों को सुलझाने के लिए बातचीत शुरू हो गई है।

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के बीच इस बात के कयास लगाए गए कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार खरगे का नाम आगे बढ़ाए जाने से नाराज हैं। नीतीश कुमार ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने का सुझाव और उन्हें गठबंधन का संयोजक नहीं बनाए जाने के कारण उन्हें मायूसी हुई और वे इसको लेकर नाराज हैं। खरगे का नाम प्रस्तावित किए जाने के बारे में उन्होंने कहा कि बैठक में मुद्दा (एक नेता के नाम का) आया। मैंने शुरू में ही स्पष्ट कर दिया था कि हमारी अपनी कोई इच्छा नहीं है। सब लोग साथ मिलकर चलें यही हम चाहते हैं। फिर एक और नाम प्रस्तावित किया गया, मैंने कहा कि यह ठीक है। यह बात दीगर है कि नीतिश की पार्टी के कई नेता उनका नाम प्रधानमंत्री पद के लिए बता चुके हैं। इंडिया गठबंधन की चार बैठकों के बावजूद सीट शेयरिंग को लेकर कोई नतीजा नहीं निकलने से इस बात के साफ संकेत हैं कि यह मुद्दा बोतल के जिन्न की तरह है, जिसके निकलते ही दल की एकता के भंग होने का खतरा है। सभी दल अपनी ताकत बढ़ाने के लिए दूसरे दलों से सीट शेयरिंग के लिए आसानी से तैयार नहीं होंगे। इसमें सबसे ज्यादा फजीहत कांग्रेस की होनी तय है। कांग्रेस को कोई भी दल सीट नहीं देना चाहता। कांग्रेस को सीट देनी भी पड़े तो नाममात्र की सीटों पर ही टरकाया जाएगा। इस बात की संभावना क्षीण है कि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के सीट शेयरिंग फार्मूले से सहमत होगी, ऐसे में प्रमुख राज्य कांग्रेस के हाथ से निकल जाएंगे, जिसे कांग्रेस कदापि नहीं चाहेगी। इसी वजह से गठबंधन की कवायद पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं।

- योगेन्द्र योगी

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मैंने जिस प्रकार वह भव (जन्म-मृत्यु) से छुड़ाने वाली कथा सुनी, हे सुमुखी! हे सुलोचनी! वह प्रसंग सुनो। पहले तुम्हारा अवतार दक्ष के घर हुआ था। तब तुम्हारा नाम सती था॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दच्छ जग्य तव भा अपमाना। तुम्ह अति क्रोध तजे तब प्राना॥
मम अनुचरन्ह कीन्ह मख भंगा। जानहु तुम्ह सो सकल प्रसंगा॥

दक्ष के यज्ञ में तुम्हारा अपमान हुआ। तब तुमने अत्यंत क्रोध करके प्राण त्याग दिए थे और फिर मेरे सेवकों ने यज्ञ विध्वंस कर दिया था। वह सारा प्रसंग तुम जानती ही हो॥

तब अति सोच भयउ मन मोरें। दुखी भयउँ बियोग प्रिय तोरें॥
सुंदर बन गिरि सरित तड़ागा। कौतुक देखत फिरउँ बेरागा॥

तब मेरे मन में बड़ा सोच हुआ और हे प्रिये! मैं तुम्हारे वियोग से दुःखी हो गया। मैं विरक्त भाव से सुंदर वन, पर्वत, नदी और तालाबों का कौतुक (दृश्य) देखता फिरता था॥

गिरि सुमेर उत्तर दिसि दूरी। नील सैल एक सुंदर भूरी॥
तासु कनकमय सिखर सुहाए। चारि चारु मोरे मन भाए॥

सुमेरु पर्वत की उत्तर दिशा में और भी दूर, एक बहुत ही सुंदर नील पर्वत है। उसके सुंदर स्वर्णमय शिखर हैं, (उनमें से) चार सुंदर शिखर मेरे मन को बहुत ही अच्छे लगे॥

तिन्ह पर एक एक बिटप बिसाला। बट पीपर पाकरी रसाला॥
सैलोपरि सर सुंदर सोहा। मनि सोपान देखि मन मोहा॥

उन शिखरों में एक-एक पर बरगद, पीपल, पाकर और आम का एक-एक विशाल वृक्ष है। पर्वत के ऊपर एक सुंदर तालाब शोभित है, जिसकी मणियों की सीढ़ियाँ देखकर मन मोहित हो जाता है॥

दो0-सीतल अमल मधुर जल जलज बिपुल बहुरंग।
कूजत कल रव हंस गन गुंजत मंजुल भृंग॥

उसका जल शीतल, निर्मल और मीठा है, उसमें रंग-बिरंगे बहुत से कमल खिले हुए हैं, हंसगण मधुर स्वर से बोल रहे हैं और भौंरे सुंदर गुंजार कर रहे हैं॥

क्रमशः

व्यंग्य

नया साल हमारा नहीं

नया साल शुरू हुए काफी घंटे बीत चुके हैं लेकिन बहुत हैरान हूं। अब तक धर्मपत्नी ने, 'चल कहीं दूर निकल जाएं' गुनगुनाते हुए, पांच सितारा डिनर की फरमाइश नहीं की। लगता है वह शिमला और मनाली पहुंची हजारों गाड़ियों की भीड़ देखकर सुधर गई। पिछले साल हमने मुश्किल से मिले एक 'शानदार' रिसोर्ट में महंगे खान पान के साथ उन्हीं घिसे पिटे गानों पर वही घिसा पिटा डांस किया था। हमने पत्नी से कहा अभी तो साल शुरू हुआ है, चल कहीं दूर निकल जाएं। वह स्पष्ट बोली नया साल ऐसे नहीं मनाएंगे। नाराज तो नहीं हो, हमने पूछा, बोली नाराज होती तो आप इस हालत में नहीं होते। दरअसल अब मैं भारतीय संस्कृति में खासी दिलचस्पी ले रही हूँ। कुछ दिन पहले ही उन्हें पता चला कि इक्तीस दिसम्बर की रात को मनाए जाने वाले नए साल में हम भारतीयों का कुछ नहीं है। यह सब कुछ पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा है।

मैंने कहा हम न्यू इंडिया वाले पूरी दुनिया के साथ हैं। अंतर्राष्ट्रीय ब्रैंड्स का कितना कुछ। हमारे बच्चे खुलेपन में विदेशियों से आगे निकल चुके हैं। समझदारों के बच्चे कान्वेंट में पढ़ते हैं। पत्नी बोली, विकास के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है फिर भी देखने पढ़ने पर हमें स्पष्ट लगा कि विदेशियों ने अपनी सभ्यता, संस्कृति, पुरातत्व सब संजोकर रखा और आधुनिकता को भी गले लगाया लेकिन हमने अपना तो सब गर्क कर दिया और बदलाव के नाम पर ऐसी खिचड़ी पकाई कि हम न भारतीय रह सके न विदेशी।

हमने कहा प्रिय, विकासजी व बदलावजी के कहने पर काफी दूर आ गए हैं जहां से लौटना मुश्किल है। वह सिर उठाकर बोली, अब मैंने यह दृढ़ संकल्प लिया है कि कुछ तो अपना दोबारा अपनाना चाहिए। विदेशियों का नया साल तो तारीख बदलने पर खानेपीनेनाचने गाने का बहाना है। हमारा नया साल तब होता है जब वसंत ऋतु आती है, सरसों के खेत लुभाते व पेड़ पौधे फूलों से लदने लगते हैं। अपना नया साल ज्योतिषी से पूछ कर मनाओगी। क्या हर्ज है, जब अमीर, पढे लिखे, नेता, अभिनेता, व्यवसायी पचांग दिखवाते हैं तो जीवन का नया साल शुरू करने के लिए क्यूँ नहीं। हमने पूछा जनाब, बता सकती हैं कि हमारा नया साल कब होगा। घोषणा हुई, सही समय पर बताएंगे, ध्यान रखना उस दिन हम आपसे एक महंगी बनारसी साड़ी उपहार में लेंगे, जिसे पहनकर, 'चल कहीं दूर निकल जाएं', भी गाएंगे और जाएंगे भी। हमें लग रहा है, आ चुका रहा नया साल हमारा नहीं रहा।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

पौष कृष्ण-एकादशी | (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शारिरिक और मानसिक परेशानी आपको परेशान करेगी। प्रेम और संतान में दूरी बनी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सरकारी तंत्र से कुछ परेशानी का अनुभव करेंगे। पिता के स्वास्थ्य में थोड़ी कठिनाइयों का सामना होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य नरम- गरम। प्रेम- संतान की स्थिति ठीक- ठाक। व्यापारिक दृष्टिकोण से अच्छा समय कहा जा सकता है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परेशानियों वाला समय। दुर्घटना का समय। बहुत बचकर पार करिए। स्वास्थ्य अच्छा नहीं दिख रहा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
अपने स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रेम- संतान भी मध्यम है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रु परास्त करने वाला होगा लेकिन परेशान रहेंगे। स्वास्थ्य में भी नरम- गरम रहेगा। प्रेम- संतान की स्थिति मध्यम है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मानसिक कलेश का समय। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू- तू, मैं- मैं संभव है। स्वास्थ्य करीब- करीब ठीक रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी पर खलल पड़ेगा। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कंधे में परेशानी या नाक, कान, गले में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम- संतान की स्थिति ठीक है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जुबान विवादस्पद हो सकती है। जुआ, सट्टा लॉटरी में नुकसान संभव है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा लेकिन मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
कभी खुश रहेंगे तो कभी अवसादग्रस्त रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम- संतान की स्थिति अच्छी है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार बन रहे हैं। आपको बच्चों से संबंधित शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं।

योगानंद के जीवनोत्सव पर आत्म साक्षात्कार के लिए नए पाठमाला का विमोचन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर 62 स्थित योगदा आश्रम में गुरुदेव योगानंद का जीवनोत्सव हर्षोउल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर योगदा सत्संग के आत्म साक्षात्कार के हिंदी में नए पाठमाला का विमोचन भी किया गया। इस ऐतिहासिक क्षण को पूरे विश्व के योगदा साधकों को स्ट्रीम लाइन के माध्यम से रूबरू कराया गया।

स्वामी ईश्वरानंद द्वारा हिंदी में नए पाठमाला के विमोचन के इस आध्यात्मिक कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी ललितानंद, स्वामी आद्यानंद और स्वामी ईश्वरानंद ने दीप प्रज्ज्वलित करके की। जिसके बाद अध्यक्ष स्वामी चिदानंद के संदेश को स्वामी ललितानंद ने अंग्रेजी में तथा स्वामी आद्यानंद ने हिंदी में पढ़कर कार्यक्रम से जुड़े साधकों को सुनाया।

हिंदी में नए पाठमाला के विमोचन के उपरांत योगदा सत्संग सोसायटी के उपाध्यक्ष स्वामी ईश्वरानंद ने इसके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अनेक भक्तों व सन्यासियों की 3 सालों की कड़ी मेहनत के बाद अंग्रेजी के नए पाठमाला के लगभग 15 लाख अंग्रेजी के शब्दों का हिंदी में अनुवाद किया जा सका है। उन्होंने इस ऐतिहासिक कार्य को पूर्ण करने में अपना सहयोग देने वाले भक्तों व संन्यांसियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सब कोटि कोटि के धन्यवाद के पात्र है। उन्होंने कहा कि इन पाठमालाओं के माध्यम से हिंदी भाषी साधकों में किया योग की लहर फैलेगी और गुरु योगानंद का सपना पूरा होगा। गुरुदेव ने कहा था कि भविष्य में योगदा के साधको द्वारा विश्व भर के लोगों में शांति व सदभाव और भाईचारा की जागरूकता फैलेगी।

हिंदी पाठमाला के बारे में जानकारी देते हुए स्वामी ईश्वरानंद ने बताया कि इस पाठमाला में 18 मूल पाठ हैं तथा क्रिया के अलग से 10 पाठ है। हिंदी के नए पाठमाला के 100 अनुपूरक पाठ भी हैं जिसे साधक स्वेछा से मंगवा कर पढ़ सकते हैं।

उन्होंने इसके इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गुरुदेव द्वारा प्रदत शिक्षाओं की नींव सन 1861 में ही पड़ गयी थी जब महावतार बाबा जी से लाहिड़ी महाशय की भेंट हुई थी। तब यह क्रिया योग की शिक्षा लाहिड़ी महाशय को बाबाजी द्वारा मिला फिर लाहिड़ी महाशय से उनके शिष्य स्वामी युक्तेश्वर जी को प्राप्त हुई जिनके द्वारा योगानंद प्रशिक्षित हुए और फिर यह शिक्षा ईश्वर प्राप्ति के इच्छूक विश्व के साधकों को योगानंद द्वारा मिलने लगी और यह सिलसिला अभी तक जारी है।

स्वामी ईश्वरानंद ने बताया कि सन 1920 से 1934 तक योगानंद ने अपना जो भी प्रवचन दिया उसका प्रिटेंड कॉपी उपलब्ध नहीं है। लेकिन संघमाता दयामाता के आश्रम में 1931 में आगमन के बाद कुछ सालों के बाद के गुरु जी के भाषणों व प्रवचनों की प्रिंटेड कॉपी उपलब्ध है। दयामाता ने वर्ष 1934 से गुरु जी के प्रवचनों को शार्टहैंड द्वारा नोट करने लगी। गुरु जी ने महसूस किया लोग उनकी शिक्षाओं को सुन तो लेते हैं लेकिन बाद में वे भूल जाते हैं। इसलिए गुरु ने लोगों को सतत जागरण के लिए अपनी शिक्षाओं को पाठ के रूप में तैयार करना शूरू किया। उन्होंने सन 1935 से अंग्रेजी में पाठों को भक्तों के घर तक भेजने का प्रबंध किया।यह सिलसिला 2019 तक चलता रंहा। तत्कालीन अध्यक्ष मृणालिनी माता द्वारा वर्ष 2017 में कुछ संशोधन के साथ नए पाठ तैयार किए गए। गुरु ने पाठों के संशोधन का कार्य मृणालिनी माता को सौंपा था। मृणालिनी अपना पूरा जीवन इस कार्य में लगा दिया।

उन्होंने बताया कि गुरु जी की अनेक पुस्तकें सभी लोगों के लिए उपलब्ध हैं। लेकिन पाठमाला उन्हीं को दी जाती है जो योगदा में प्रवेश पाता है। उन्होंने बताया कि योगदा के पाठ अत्यंत ही पवित्र हैं और ज्ञान संपदा से भरा हुआ है। पाठमाला भारतीय दर्शन का सार है और किसी भी धार्मिक ग्रंथ या उपनिषद से कम महत्वपूर्ण नहीं है। पाठकों की सुविधा के लिए ये पाठमाला डिजिटल फार्म में भी उपलब्ध है। कार्यक्रम का संचालन विवके अत्रे ने किया।

कार्यक्रम के दूसरे भाग में कास्मिक भजन, ध्यान और नोएडा आश्रम के प्रभारी स्वामी आद्यानंद का सत्संग भी हुआ। सत्सग में स्वामी आद्यानंद ने योगानंद के जन्मोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दयामाता की बातों को उद्धृत करते हुए कहा कि गुरु के आविर्भाव की वर्षगांठ हमसभी के लिए गुरु के प्रति भक्ति और आभार प्रगट करने का अवसर का दिन है। गुरु का धरती पर अवतरण हम सबके उद्धार के लिए ही हुआ था। आज के दिन हमें उनके प्रति कृतज्ञता प्रगट करने का दिन है।

महिषासुरमर्दिनी मंदिर में 1101 दिए जलाए जाएंगे

नोएडा (चेतना मंच)। श्री श्री महिषासुर मर्दिनी दुर्गामाता का मंदिर निकट बी 7 सेक्टर 8 मे आने वाले 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम राम प्राण प्रतिष्ठा होगा । उस दिन श्री श्री महिषासुर मर्दिनी दुर्गा मंदिर में 1101 दिए जलाकर महाआरती कि जाएगी । यह निर्णय मंदिर कमेटी ने लिया है । इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष भोला सिंह , मनोज कुमार ,गंगाकांत झा, अतुल राय, मोनू तिवारी, विनोद राय, निलेश, वीरेंद्र, कुबेर तिवारी , राकेश झा, आलोक झा, शंभू झा, कुणाल गोस्वामी, माधव मिश्रा, किशन कुमार, सनी कुमार, सोनू कुमार, सौरभ कुमार, आमिरकांत झा, सुधीर झा, दीपक झा, सहित अन्य भक्तगण मौजूद रहे ।

शारदा विश्वविद्यालय में निर्माण के दौरान शटरिंग गिरी, एक मजदूर की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में स्थित शारदा यूनिवर्सिटी में निर्माणधीन कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य के दौरान शटरिंग गिर गई और इस वजह से काफी मजदूर घायल हो गए। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के अंतर्गत नव निर्माणाधीन कैंसर बिल्डिंग शारदा यूनिवर्सिटी में लोहे का सामान गिरने से वहां काम कर रहे दो मजदूर दब गए। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक मजदूर को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि शनिवार को करीब 11ः25 पर निमार्णाधीन कैंसर बिल्डिंग शारदा यूनिवर्सिटी में लोहे का सामान गिरने से वहां काम कर रहे दो मजदूर उसके नीचे दब गए आसपास के लोगों ने तथा मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने उन्हें बाहर निकाल और दोनों को अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने एक मजदूर को मृत घोषित कर दिया। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि घायल मजदूर मोहम्मद शमशाद पुत्र मोहम्मद कफील निवासी इतरी कटिया जिला सुपौल बिहार और अब्दुल जब्बार खान पुत्र जाहिद खान निवासी फ्रेंड्स कॉलोनी फरीदाबाद हरियाणा को भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने अब्दुल जब्बार को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, पुलिस मामले की जांच कर रही है, वहीं दूसरे का इलाज अभी भी अस्पताल में चल रहा है।

कई इलाकों 10 घंटे बंद रही बिजली सप्लाई

नोएडा। विद्युत निगम की तरफ से रविवार को 220 केवी मल्टी सर्किट लाइन पर मेघा शटडाउन लिया। इसके चलते नोएडा व ग्रेटर नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। अधिशासी अभियंता विद्युत निगम अभिषेक कुमार ने बताया कि 220 केवी ग्रेटर नोएडा व सेक्टर-20 लाइन और 132 केवी ग्रेटर नोएडा व सूरजपुर डीसी लाइन लाइन पर शटडाउन रहा। इसके चलते नोएडा में सेक्टर-50, सेक्टर-64, सेक्टर-52, सेक्टर-60, सेक्टर-56, सेक्टर-67, सेक्टर-72, सेक्टर-63बी, सेक्टर-63 जे समेत अन्य सेक्टरों की आपूर्ति बंद रही। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सूरजपुर समेत अन्य स्थानों व एनपीसीएल से जुड़े 33 केवी के आठ फीडरों पर आपूर्ति बाधित रहेगी। ऐसे अगर आप इस दिन बिजली से जुड़ कोई जरूरी काम करने जा रहे हैं तो उस वैकल्पिक व्यवस्था करके रखे।

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र सं0—01
खुली निविदा सूचना सं०
05HQWORKS2023 दि.26.12.2023

उपरोक्त निविदा में निम्न संशोधन किया गया हैः— **क्रम सं०ः**— 1, **पैराः**— 1.3.4 of Special Conditions of the Contract (General Requirement), **मौजूदाः**— Scope includes two years warranty period after successful commissioning and acceptance of the plant. It will also include comprehensive maintenance for 5 years after the expiry of Warranty Period for which payment shall be made as per the rate agreed., **संशोधितः**— Scope includes two years warranty period after successful commissioning and acceptance of the plant., **क्रम सं०ः**— 2, **पैराः**— कार्य समापन अवधि, **मौजूदाः**— 12 (बारह) माह, **संशोधितः**— 15 (पन्द्रह) माह, निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेंगी।

अधिशासी इंजीनियर/रेलपथ
मुजाधि/डब्लू—487 गोरखपुर
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

विभिन्न समस्याओं को किया लेकर किसानों ने किया मंथन

किसानों में सांसद के खिलाफ भारी रोष : अशोक चौहान

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि शनिवार को भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान के नेतृत्व में गांव असगरपुर सेक्टर 128 नोएडा में गांव रायपुर, बख्तावरपुर, असगरपुर,गढी शाहपुर, शाहपुर गोवर्धनपुर, नंगली शाखपुर, नंगली नंगला, के किसानों से पंचायत कर संवाद किया और 16 जनवरी को नोएडा प्राधिकरण औरजनप्रतिनिधियों से अपना हक लेने के लिए किसानों से हरौला सैक्टर-5 नोएडा बारात घर सुबह 11 बजे पहुचने की अपील की गई।

शनिवार की आयोजित बैठक की अध्यक्षता मलखान सिंह चौहान और संचालन चौधरी दानिश सैफी ने किया। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण किसनो का हक नहीं दे रहा है, नोएडा प्राधिकरण किसानों का हक इस लिए नहीं दे रहा है, कि किसानों की समस्याओं को क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि लखनऊ और दिल्ली के दरबारों में प्रमुखता से नहीं रख रहे हैं। जिसके कारण किसानों में जनप्रतिनिधियों और नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ रोष, दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण और प्रदेश सरकार नोएडा प्राधिकरण के अनुसूचित क्षेत्र में आने वाले गांव के किसानों को वर्ष 1997 से सभी किसानों को 64.7 प्रतिशत मुआवजा और 10 प्रतिशत के विकसित भूखंड दिए जाएं ।सभी 81 गांव की आबादी का संपूर्ण निस्तारण करें ।भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने किसानों से झूठ बोलकर 122 दिन का आंदोलन वर्ष 2021 में खत्म कराया था। सांसद किसानों के सम्मान से खिलवाड़ करना बंद करें ,और किसानों से किया वादा पूरा करे। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन मंच के संरक्षक सुरेंद्र प्रधान ,मीडिया प्रभारी अशोक चौहान, सूरज प्रधान, राजवीर प्रधान, सुधीर चौहान रायपुर, प्रताप चौहान,चरण सिंह प्रधान, रमपाल चौहान, गौतम लोहिया, आशीष चौहान, विजय चौहान, नीरज त्यागी, भरत अवाना, दानिश सैफी, सुखपाल चौहान, गौतम चौहान, गजेन्द्र बैसोया,राजवीर चौहान ,ओम चौहान, राकेश आलम चौहान ,हरेंद्र अवाना, अंकित चौहान, अमित चौहान , विमल त्यागी, रिंकू यादव, रोहतास चौहान,सोनू लोहिया,राजवीर चौहान, राहुल पवार, सोनू चपराना, फूल कुमार चौहान ,प्रिंस भाटी ,योगी राहुल पवार, रोहित शर्मा , आदि किसान मौजूद रहे।

किसान ने बदला खेती का तरीका, कमा रहा लाखों रुपये

ग्रेटर नोएडा। दादरी क्षेत्र के बंबावड गांव के एक किसान ने खेती को लघु उद्योग में तब्दील कर दिया है। किसान घर में पालतू पशुओं से तैयार जैविक खाद से धान, गेहूं व सब्जी पैदा कर रहा है। वहीं पालतू पशुओं के दूध से मक्खन व मावा तैयार कर मुनाफा कमा रहा है।

रासायनिक खाद के मुकाबले जैविक खाद के प्रयोग से बीस फीसदी अधिक लाभ भी हो रहा है। किसान का सालभर का खेती टर्न ओवर इक्कीस लाख रुपये है, जिसमें एक लाख रुपये प्रति माह की बचत होती है।बंबावड़ गांव के किसान ओमबीर सिंह ने बताया कि बारहवीं तक शिक्षा लेने के बाद खेती में लग गया। पिछले 14 सालों से जैविक खेती कर रहा हूं। बचपन में पिता के साथ खेती करता था तो जैविक खेती ही होती थी। बीच में पैदावार बढ़ाने के लालच में रासायनिक खाद से खेती होने लगी।

रासायनिक खेती को अपनाया तो देखा कि रासायनों से खेती मित्र जीव खत्म हो रहे हैं। रासायनिक खेती बंद कर फिर से जैविक खेती करनी शुरू कर दी। कुछ वर्ष पैदावार कम हुई बाद में बढ़नी शुरू हो गई। जैविक खेती से धीरे-धीरे खेत की उर्वरक क्षमता बढ़ती गई, जिससे पैदावार भी अच्छी होने लगी।

उन्होंने बताया कि रासायनिक खेती में केंचुआ मर जाता है जबकि जैविक खेती में केंचुआ खेतों में ही रहता है। खेतों को खोद कर जगह-जगह छेद बना देते हैं जिससे पर्यावरण में फैली नाइट्रोजन खेतों के अंदर तक चली जाती है। जिससे खेतों की उर्वरक क्षमता बढ़ती है व पानी तुरंत अंदर चला जाता है।

जल भराव न होने से फसल नष्ट नहीं हो पाती। जैविक खेती से बीस फीसदी ज्यादा पैदावार होती है। जैविक खेती करने पर गुजरात में मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए नरेन्द्र मोदी सम्मानित कर चुके हैं। वहीं पंजाब, हरियाणा, यूपी, महाराष्ट्र आदि राज्यों में भी सम्मानित किया जा चुका है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना सं. 01/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "**खुली**" निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, कार्य का विवरण : इज्जतनगर मंडल के मइं/I के अधिकार क्षेत्र में 50000 से अधिक टी.वी.यू. वाले समपार पर सड़क सुधार, **अनुमानित लागत** : रु. 1,25,93,116.20, **बयाना राशि** : रु. 2,13,000/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 06 माह।

क्र. सं. : 2, कार्य का विवरण : रामनगर स्टेशन पर 600 मीटर लम्बे कैमटेक डिजाइन वाशिंग पिट का प्रावधान और सर्विस बिल्डिंग का विस्तार, **अनुमानित लागत**: रु.6,73,32,415.00, **बयाना राशि** : रु. 4,86,700/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि** :09 माह।

1. ई-निविदा दिनांक 29.01.2024 को 15.00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे। **2.** ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.)
मुजाधि/डब्ल्यू-485 इज्जतनगर
ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No. DRM/C/AGRA/NFR/E-AUCTION **Dated:** 05.01.2024

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबंधक - आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार हैः-

श्रेणी : Misc- Static Services	**केटलॉग संख्याः** PSCAN- AGRA-24-1
एसेट्स डिटेल्सःआगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय में पार्सल स्कैनर मशीन के माध्यम से आउटवर्ड पार्सल को स्कैन करने के ठेके के संबंध में	
ई नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समयः दिनांकः- 23.01.2024 **समयः** 11:00	**ई नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समयः** दिनांकः- 23.01.2024 **समयः** 11:30

नोटः- उक्त ठेकों के आवटंन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट- www.ireps.gov.in के E-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उर्पयुक्त केटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। **40/24 (ADM)**

North central railways | @CPRONCR | @northcentralrailway | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0ः पी आर वाई जे-सिग-215-2023-24 **दिनांकः** 03.01.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार/इंजीनियर/समन्वय/प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये **खुली निविदा**, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को **12:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है।, **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

क्रम सं. 1	**निविदा नं.ः** पी आर वाई जे -सिग- 215- 2023-24
कार्य का विवरणः प्रयागराज मण्डल के सीनियर डीएसटीई/कानपुर सेक्शन में लोकेशन बाक्स और सीटी रैक विवरण आदि के लिए दस्तावेजों की ड्राँइंग और प्रिंट करने हेतु सिग्नलिंग कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रु)ः 2387475.20/-	**बिड सिक्योरिटीः (रु)ः** 47800/-

कार्य समापन की अवधिः 06 माह, **निविदा खुलने की तिथिः 29.01.2024, 2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः** निविदा प्रपत्र **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **3. निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थानः** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को **12:30 बजे** या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मंडल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **20/24 (P)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @ CPRONCR

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी मेन्स टूर्नामेंट

क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आरएनटीयू ने गोवा यूनिवर्सिटी को 8-0 से हराया

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी (मेन्स) टूर्नामेंट का आयोजन भोपाल के ध्यानचंद स्टेडियम में किया जा रहा है जिसमें महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात की 54 विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसके तहत शुक्रवार को प्री-क्वार्टर फाइनल्स के नॉकआउट मुकाबले खेले गए। इसमें प्रमुख मुकाबलों में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा, संत घड़गे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी, डॉ. बाबा साहब अम्बेड़कर यूनिवर्सिटी ने अपने-अपने मुकाबलों को जीत लिया। ये सभी मुकाबले ध्यानचंद स्टेडियम में खेले गए।

इस दौरान संयुक्त संचालक लोक शिक्षण डॉ. आलोक खरे, निदेशक आईटीडीपीआर अमिताभ सक्सेना, मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. आर बालासुब्रमण्यम, आर्मी स्पोर्ट्स प्रोमोशन के पूर्व चेयरमैन कोमोडोर आशुतोष चतुर्वेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य खेल परिषद टीटीनगर केके उपाध्याय और रायसेन के जिला खेल अधिकारी जलज चतुर्वेदी बतौर अतिथि मौजूद रहे। इसमें रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) और गोवा यूनिवर्सिटी के बीच प्रमुख मुकाबले में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने 8-0 से जीत हासिल की। आरएनटीयू की ओर से अक्षय और अली ने 2-2 गोल किए। वहीं, हिमांशु, श्रेयस, आमिद, सुंदरन ने 1-1 गोल का किए। महाराज गंगा सिंह यूनिवर्सिटी (एमजीएसयू) बीकानेर और यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा के बीच खेले गए दिन के पहले मुकाबले में यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा ने जीत हासिल की। एमजीएसयू के 1 गोल के मुकाबले यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा की ओर से 6 गोल किए गए। इसमें यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा की ओर से संदीप और हरीश ने 2-2 गोल किए। वहीं एमजीएसयू की ओर से अनुराग ने 1 गोल किया। हेमचंद्राचार्य नॉर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी (एचएनजीयू) पाटन और संत घड़गे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी (एसजीबीएयू) के बीच खेले गए मुकाबले में संत घड़गे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी 4-2 के गोल के अंतर से विजयी हुई। एसजीबीएयू की ओर से अदनान ने 2 गोल, आकिब और गौरव ने 1-1 गोल किए। हेमचंद्र यूनिवर्सिटी की ओर से शिवांष और सिद्धार्थ ने 1-1 गोल किए। डॉ. बाबा साहब अम्बेड़कर यूनिवर्सिटी (बीएएमयू) साम्भाजीनगर और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीवी) जबलपुर के बीच खेले गए मुकाबले में बीएएमयू की जीत हुई। बीएएमयू ने यह मैच 5-1 के अंतर से जीत लिया।

नगर पालिका मंडीदीप द्वारा खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

औद्योगिक शहर मंडीदीप में गणतंत्र दिवस पर दो दशक से ज्यादा समय से आयोजित हो रहे नगर पालिका एवं खेल सांस्कृतिक महोत्सव से खिलाड़ियों की प्रतिभा निकाल कर आती है यहां से निकलने वाले खिलाड़ी राज्य स्तर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का देश-प्रदेश राष्ट्र में अपना नाम रोशन कर रहे हैं यह बात शुक्रवार को शासकीय खेल मैदान पर आयोजित नापा खेल महाकुंभ का शुभारंभ करते हुए भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा भोजपुरी विधायक सुरेंद्र पटवा ने कहा कि भोजपुरी खेलों का कुंभ बनते जा रहा है।

मंडीदीप के खिलाड़ी जहां एक और हाकी क्रिकेट फुटबॉल और नेट वाले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर का नाम रोशन कर चुके हैं इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल नापा खेल एवं सांस्कृतिक आयोजन नगर की धरोहर है इस आयोजन को हमारे नगर के वरिष्ठ जनों ने शुरू किया है इसे हम आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं और करते रहेंगे उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना से खेलने की अपील करते हुए कहा कि यह आपका ही आयोजन है यह सिर्फ और सिर्फ आप लोगों के लिए ही आयोजित किया जाता है कार्यक्रम को पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल बबलू भैया एवं पूर्व नपा अध्यक्ष विपिन भार्गव संबोधित करते हुए कहा कि मंडीदीप नगर पालिका प्रदेश में एकमात्र ऐसी नगर पालिका है जो खिलाड़ियों को प्रसारित करने के लिए इस तरह का आयोजन हर वर्ष करती है कार्यक्रम में सीएमओ सुधीर उपाध्याय पूर्व नपा अध्यक्ष बद्री सिंह चौहान दादा भाई पूर्व नपा अध्यक्ष उषा भार्गव नपा उपाध्यक्ष पुष्पा प्रेम शंकर साहू अरविंद जैन जीवन सिंह पाल मुरलीधर्मानी नारायण मारन जगन्नाथ तोमर मंडल अध्यक्ष रेखा कैलाश पाल पार्षद प्रार्थना चौहान प्रीति चौरसिया संगीता चौरसिया पूजा मिश्रा स्कूल संचालक एवं नपा अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

नगर पालिका द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस पर खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन 5 जनवरी से शुरू हो गया है इसमें किसी भी प्रकार की कोई कटौती नहीं की जाएगी

» प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंडीदीप

महक-आरती ने ग्वालियर में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता में बाजी मारी

मंडीदीप। औद्योगिक शहर से ग्वालियर में आयोजित 67 वी राष्ट्रीय शालेय अंदर 14 हॉकी प्रतियोगिता में बालिका वर्ग का ख़िताब मध्य प्रदेश ने जीता। मध्य प्रदेश को विजेता बनाने में हाँकी फीडर सेंटर मंडीदीप रायसेन की कु. आरती कोंदल व महक मालवीय का योगदान रहा। मध्य प्रदेश ने फ़ाइनल मुक़ाबले में हरियाणा को 5-0 से पराजित किया। मध्य प्रदेश ने सेमीफ़ाइनल मैच में झारखंड को 1-0 से पराजित किया। लीग मुक़ाबले में मध्यप्रदेश ने बिहार को 7-0, गुजरात को 6-0 से, उत्तराखंड को 17-0 से पराजित किया। इस उपलब्धि पर जिला कलेक्टर अरविन्द दुबे,जिला पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, जिला शिक्षा अधिकारी एम.एल. राठौरिया, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ज़लज चतुर्वेदी, जिला क्रीड़ा अधिकारी राजेश यादव जिला हॉकी समाजसेवी जगदीश सोनी जी अध्यक्ष आलोक भार्गव उपाध्यक्ष रिजवान अली उपाध्यक्ष उत्तम डगौर प्रशिक्षक निर्मल यादव दिनेश कुमार दांगी संध्या मेहरा ने दोनों खिलाड़ियों एवं टीम के कोच प्रहलाद राठौर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

जीत के साथ विदा हुए वॉर्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का सफाया कर दिया है। उसने सिडनी टेस्ट को आठ विकेट से अपने नाम कर सीरीज 3-0 से जीत लिया। लगातार छठी बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान एक भी मैच नहीं जीत पाई है। उसे पिछली जीत 1995 में मिली थी। कंगारू टीम के दिग्गज ओपनर डेविड वॉर्नर का यह आखिरी टेस्ट मैच था। वह जीत के साथ विदा हुए। उन्होंने पहले ही बता दिया था कि सीरीज के बाद वह टेस्ट और वनडे से संन्यास ले लेंगे। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। उनकी टीम ने पहली पारी में 313 रन बनाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 299 रन बनाए थे। इस तरह पाकिस्तान को 14 रन की बढ़त मिली थी।

टीआई-11 और बादशाह-11 में खिताबी जंग

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

नगर के माईनस कालोनी स्थित राजीव रतन गांधी खेल मैदान में 6 जनवरी शनिवार को टीआई-11 और बादशाह-11 के बीच खिताबी मुख्य मुकाबला खेला जाएगा। मप्र शासन में बतौर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इस खिताबी महा मुकाबला में आयोजकों द्वारा विजेता टीम के लिए 31111 रुपए एवं उपविजेता टीम के लिए 15111 रुपए कि राशि व ट्राफी निर्धारित किया गया है।

26 दिसम्बर से प्रारम्भ हुए मैच में विभिन्न टीमों ने लिया था भाग: बीते दिसम्बर माह के 26 तारीख से प्रारम्भ हुए क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता में क्षेत्रभर से भिन्न-भिन्न

टीमों ने अपनी कौशल प्रदर्शन करते हुए, प्रतिदिन क्रिकेट मैच को रोमांचकारी बनाया है। जिससे प्रत्येक दिन मैच देखने के लिए दर्शकों कि भारी भीड़ उमड़ती है।

कंपनी के निवेशकों पर गलत तरीके से पैसा जमा करने का आरोप

सेबी ने 8 कंपनियों के खिलाफ उठाया सख्त कदम, 16 प्रॉपर्टी होगी नीलाम

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने आठ कंपनियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। इन कंपनियों के निवेशकों पर गलत तरीके से पैसा जमा करने के आरोप लगे थे। सेबी ने इन कंपनियों की 16 प्रॉपर्टी नीलाम करने का फैसला किया है। यह नीलामी 30 जनवरी को की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सेबी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, कंपनियों की प्रॉपर्टी की बिक्री की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन कंपनियों में विबग्योर ग्रुप, पैलान ग्रुप, टॉवर इंफोटेक ग्रुप, जीबीसी इंडस्ट्रियल कॉर्प ग्रुप, कोलकाता वियर इंडस्ट्रीज, टीचर्स वेलफेयर क्रेडिट एंड होल्डिंग ग्रुप, एनेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया लिमिटेड और हैनमैन हर्बल ग्रुप शामिल हैं।

इनकी होगी नीलामी

सेबी के मुताबिक, यह नीलामी 47.75 करोड़ रुपये के रिजर्व रेट पर होगी। इसमें प्लॉट, अपार्टमेंट और पश्चिम बंगाल में भूमि पार्सल की नीलामी की जाएगी। इस नीलामी में सहायता के लिए क्विकर रियल्टी को रेगुलेटर नियुक्त किया गया है। यह कदम निवेशकों से पैसा वसूलने के सेबी की कोशिशों का हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक, नीलामी 30 जनवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। बोली जमा करने वालों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी न्यायिक प्रक्रिया, संपत्तियों के स्वामित्व और दावों के बारे में अपनी पूछताछ अलग से करें. इन कंपनियों ने सेबी के नियमों का पालन किए बिना इनवेस्टर्स से पैसा जमा किया था।

इसपर लगाया है बैन

भारतीय शेयर बाजार के रेग्यूलेटर सेबी ने नेकेड शॉर्ट सेलिंग पर भी बैन लगाया है। सेबी के मुताबिक, बाजार में हर कैटेगरी के निवेशकों को को शॉर्ट सेलिंग की इजाजत होगी, लेकिन निवेशक नेकेड शॉर्ट-सेलिंग नहीं कर सकेंगे। सेबी के कहा कि वायदा कारोबार यानि फ्यूचर-ऑप्शन में जितने भी स्टॉक्स ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हैं उसमें शॉर्ट सेलिंग की इजाजत होगी। हिंडनबर्ग विवाद के करीब एक साल बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी ने नेकेड शॉर्ट सेलिंग को बैन कर दिया है।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियां तीन माह के उच्चतम स्तर पर

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बेहतर आर्थिक परिस्थितियों और सकारात्मक मांग के दम पर दिसंबर में तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक दिसंबर में 59 पर पहुंच गया। यह नवंबर में 56.9 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) का 50 से ऊपर रहने का मतलब गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। 50 से कम अंक का आशय कमजोरी से होता है। यह सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की 400 कंपनियों के साथ सवाल-जवाब पर आधारित है। मांग में उछाल से बिक्री में तेजी आई जिससे कारोबारी गतिविधियां भी बढ़ीं। रोजगार निर्माण 19वें महीने बढ़ा। एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स 57.4 से बढ़कर 58.5 हो गया। एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत का सेवा क्षेत्र उच्च स्तर पर रहा है। सेवा प्रदाताओं को दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोप, पश्चिम एशिया और दक्षिण अमेरिका के ग्राहकों की ओर से अच्छी मांग मिली। तीन माह में सर्वाधिक ऑर्डर मिलने से ऐसा हुआ है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डॉलर बढ़कर 22 महीने के उच्च स्तर पर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 29 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 2.75 अरब डॉलर बढ़कर 623.20 अरब डॉलर हो गया। यह 22 महीने का उच्च स्तर है। 22 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 4.471 अरब डॉलर बढ़कर 620.441 अरब डॉलर हो गया था। पिछले 6 सप्ताह के आंकड़े के हिसाब से भंडार में 30.12 अरब डॉलर की बढ़ोतरी आई है। 29 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्तियां 1.86 अरब डॉलर बढ़कर 551.615 अरब डॉलर रही। सोने के भंडार का मूल्य 85.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 48.328 अरब डॉलर हो गया। अक्तूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर पर था। पिछले साल से वैश्विक गतिविधियों के कारण दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की विनिमय दर बनाए रखने के लिए मुद्राभंडार का उपयोग किया। इससे मुद्रा भंडार प्रभावित हुआ।

दिसंबर में खुले रिकॉर्ड 41.7 लाख डीमैट खाते

शेयर बाजार की तेजी के बीच दिसंबर में रिकॉर्ड 41.78 लाख डीमैट खाते खुले हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में 27.81 लाख खाते खुले थे। कुल डीमैट खातों की संख्या 13.93 करोड़ को पार कर गई है।

श्री सीमेंट को 4,000 करोड़ रुपए का नोटिस

गलत दावों और कटौती के लिए आयकर विभाग ने श्री सीमेंट को 4,000 करोड़ का नोटिस भेजा है। इससे शेयर 5त्न तक टूट गए। कर विभाग ने जून में सर्वे किया था। अप्रैल 2014 से मार्च 2023 के बीच 8,500 करोड़ के गलत दावों की जानकारी मिली थी। हैम्पटन स्काई रियल्टी 2025 तक 120 करोड़ रुपये का निवेश कर सकती है। कंपनी लुधियाना में वाणिज्यिक प्रोजेक्ट शुरू कर रही है। इसमें मशहूर रिटेल ब्रांड शामिल होंगे। यह परियोजना 12 एकड़ भूमि पर है। प्रोजेक्ट का निर्माण क्षेत्र पांच लाख वर्ग फुट होगा।

नारायण मूर्ति ने 70 घंटे काम कर युवाओं को फिर दिया संदेश

भारतीय युवाओं को सप्ताह में 70 घंटे काम करने की सलाह देकर वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर बहस छेड़ने वाले इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने अपनी सलाह का बचाव किया है। एक साक्षात्कार में मूर्ति ने कहा कि बहुत से विदेशी मित्र और एनआरआई उनका समर्थन कर रहे हैं। मूर्ति ने कहा कि उन्होंने खुद ऐसा किया है और उस अनुभव के आधार पर ही लोगों को यह सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश के युवाओं को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

डाकघरों की मदद से भी बदले जा सकते हैं 2,000 रुपये के नोट

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

देश में दो हजार रुपये के नोट सर्कुलेशन से बाहर हो चुके हैं। अगर आपके पास अभी भी दो हजार के नोट हैं तो आपको इन्हें बदलवाना पड़ेगा। अब दो हजार रुपये के नोट को लेकर आरबीआई का नया अपडेट सामने आया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि चलन से वापस लिए जा चुके 2,000 रुपये के नोट डाकघरों की मदद से भी बदले जा सकते हैं। रिजर्व बैंक ने अपनी वेबसाइट पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के एक समूह में कहा कि लोग अपने बैंक खाते में राशि प्राप्त करने के लिए किसी भी डाकघर से उसके 19 कार्यालयों में से किसी को भी 2,000 रुपये के नोट भेज सकते हैं। इसके लिए लोगों को ऑनलाइन उपलब्ध एक आवेदन पत्र भरना होगा और नोटों को भारतीय डाक की किसी भी सुविधा से आरबीआई के कार्यालय को भेजना होगा। फॉर्म आरबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है। असल में 2,000 रुपये के नोट बदलने के लिए आरबीआई के क्षेत्रीय कार्यालयों में अब भी लोगों की कतारें लग रही हैं। आरबीआई के एफएक्यू के मुताबिक, एक व्यक्ति डाकघर से मिलने वाली सुविधा के साथ रिजर्व बैंक के 19 कार्यालयों में एक बार में 20,000 रुपये की सीमा तक नोट बदल सकता है या जमा कर सकता है।

अभी तक इतने नोट आए वापस

आरबीआई ने पिछले साल मई में 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने के अपने फैसले की घोषणा की थी। इस नोट को नवंबर, 2016 में नोटबंदी के समय पहली बार जारी किया गया था। आरबीआई ने कहा था कि 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि इनमें से अधिकांश नोट अपनी अपेक्षित जीवन-अवधि पूरा कर चुके हैं और लोग भी लेनदेन में इनका अधिक इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। मई 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपये मूल्य के 97.38 प्रतिशत से अधिक नोट वापस लिए जा चुके हैं। हालांकि अब बैंक शाखाओं में इस नोट को बदलने या जमा करने की अनुमति नहीं है लेकिन आरबीआई ने वैकल्पिक माध्यम मुहैया कराए हैं।

टाटा एसेट मैनेजमेंट ने पेश किए चार नए फंड ऑफर

मुंबई। टाटा एसेट मैनेजमेंट ने चार नयी स्कीम लांच करने की घोषणा की हैं जिनमें से दो एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और दो फंड ऑफ फंड (एफओएफ) हैं। टाटा गोल्ड ईटीएफ एक ओपन एंडेड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड है जो सोने की घरेलू कीमत को रेप्लिकेट/ट्रैक करता है। एनएफओ 02 जनवरी 2024 से 09 जनवरी 2024 तक खुला रहेगा। टाटा गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड एक ओपन एंडेड फंड ऑफ फंड स्कीम है जो टाटा गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में निवेश करती है। एनएफओ 16 जनवरी 2024 तक खुला रहेगा। टाटा सिल्वर ईटीएफ एक ओपन एंडेड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड है जो चांदी की घरेलू कीमत को रेप्लिकेट/ट्रैक करता है। एनएफओ 2 जनवरी से 9 जनवरी 2024 तक खुला रहेगा। टाटा सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड एक ओपन एंडेड फंड ऑफ फंड स्कीम है जो टाटा सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में निवेश करती है।

हाईजैक शिप से क्रू को बचाने के बाद अब लुटेरों की तलाश में नौसेना, खोज में ड्रोन से लेकर युद्धपोत तक

नई दिल्ली

भारतीय नौसेना की सूझबूझ और बहादूरी की हर तरफ तारीफ हो रही है। शुक्रवार को उत्तरी अरब सागर में हाईजैक हुए जहाज में फंसे सभी 21 लोगों को बचाने के बाद अब नौसेना लुटेरों की तलाश में जुटी है। इसके लिए वह संदिग्ध जहाजों की जांच कर रही है।

चेतावनी के बाद गायब लुटेरे

गौरतलब है, नौसेना के मार्कोस कमांडो ने बताया था कि उन्हें सूचना मिली थी कि जहाज पर हथियार से लैस पांच से छह लोग सवार हैं, जिनके बारे में कुछ जानकारी नहीं है। इस पर जहाज की तलाश कर आईएनएस चेन्नई ने शुक्रवार को दोपहर बाद करीब 3:15 बजे अरब सागर में सोमालिया के तट के पास अगवा पोत को घेर लिया था। वहीं, जवानों ने जहाज को चारों ओर से घेर समुद्री लुटेरों को जहाज को छोड़ने की चेतावनी दी। उसके बाद भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो अगवा पोत पर उतरे और उसकी तलाशी ली तो कोई लुटेरा वहां

मौजूद नहीं था। ऐसे में लग रहा कि जब उन्होंने बड़ी संख्या में जवानों को देखा तो वो डर की वजह से रात के अंधेरे में वहां से भाग निकले। हालांकि, अभी भारतीय नौसेना इस मामले में आराम से नहीं बैठी है। उसने लूटेरों की खोज के लिए युद्धपोत, समुद्री गश्ती विमान पी-8 आई और हेलीकॉप्टर सहित लंबी दूरी के प्रीडेटर एमक्यू9बी ड्रोन को समुद्र में तैनात कर दिए हैं। बता दें, फिलहाल, भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस चेन्नई कार्गो शिप एमवी लीला नॉरफॉक के पास मौजूद है। जहाज में बिजली उत्पादन और नेविगेशन सिस्टम को बहाल करके उसे अगले बंदरगाह तक यात्रा शुरू करने में मदद की जा रही है।

भारत माता की जय के लगे नारे

इससे पहले भारतीय नौसेना ने बचाए गए भारतीयों का एक वीडियो साझा किया। इसमें एक भारतीय कहता दिख रहा है कि उसे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। वहीं, एक अन्य ने कहा कि 24 घंटे से डर में थे। अब हमें राहत मिली है। इसी बीच, एक शख्स ने कहा कि हम सब भारत की नौसेना पर गर्व महसूस करते हैं। फिर क्या था सब लोगों ने एक सुर में 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

रील बनाने के चक्कर में गई 4 लोगों की जान, युवकों ने जाम छलकाते हुए 130 की स्पीड पर सर पट दौड़ाई कार और फिर...

जैसलमेर

जैसलमेर के सांगड़ थाना इलाके के देवीकोट कस्बे के पास में हुए जबर्दस्त सड़क हादसे में मां-बेटों समेत चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. बताया जा रहा है कि कार सवार युवक शराब की गिलासें हाथों में लेकर गानो पर झूमते हुए सोशल मीडिया पर अपलोड करने के लिए रील बना रहे थे. उसी दौरान यह हादसा हो गया. हादसे में कार की टक्कर से सड़क किनारे खड़ी पिकअप से अनार खरीद रहे मां-बेटे की की मौके पर ही मौत हो गई. बाद में इलाज के दौरान कार सवार दो अन्य युवकों ने भी दम तोड़ दिया. हादसे की सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे. पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि हादसा शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे हुआ. वहां सफेद कलर की एक तेज रफ्तार कार जैसलमेर के आकल गांव से बाड़मेर की तरफ जा रही थी. पुलिस को सूचना मिलने पर उसने देवीकोट तिराहे से पहले कार को रुकवाने के प्रयास किया. लेकिन कार सवार युवकों ने उसे रोका नहीं और नाकाबंदी तोड़कर बाड़मेर की तरफ भाग गए. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस दौरान कार की स्पीड 130 किलोमीटर प्रति घंटे के करीब थी. देवीकोट कस्बे की मुख्य सड़क पर ही तेज रफ्तार कार ने वहां खड़ी पिकअप को टक्कर मारी और वहां से अनार खरीद रहे नेपाली मां-बेटे को टक्कर मारकर उड़ा दिया. पिकअप गाड़ी से भिड़ने के बाद कार करीब 20 फिट आगे स्लिप होकर रुक गई. इससे मां-बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. दोनों नेपाल के रहने वाले थे. हादसे की शिकार हुई मेनकला (34) प%ी भीमबहादुर और उसका बेट मनीष 11 साल का था. हादसे में कार सवार सभी युवक बुरी तरह से घायल हो गए. सभी घायलों और मृतकों को जैलसमेर जवाहिर अस्पताल लाया गया. वहां कार सवार घायल युवक रोशन खां (21) निवासी आकल और एक अन्य युवक भवानी सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई. हादसे की शिकार हुई मेनकला अपने पति भीम बहादुर के साथ 3 साल पहले ही देवीकोट कस्बे में रहने आई थी. ये परिवार चाउमीन का ठेला लगाकर अपना गुजारा करता है. वहीं अनार से भरी पिकअप गाड़ी में बैठे 2 नाबालिग बच्चों को भी चोटें आई हैं. हालांकि दोनों बच्चे अब खतरे से बाहर हैं. कार सवार राजू सिंह सिसोदिया और लीलू सिंह चौहान निवासी आकल का इलाज चल रहा है. हादसे से कुछ ही देर पहले कार सवार युवकों ने गाड़ी में शराब पी और उसका वीडियो भी बनाया. वीडियो बनाने वाले युवक ने उसे अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर अपलोड भी किया था. लेकिन कुछ ही देर बाद वीडियो बनाने वाले रोशन की हादसे में मौत हो गई.

यूरोप के प्रोबा-3 को लॉन्च करेगा भारत, सितंबर में उड़ान, इसरो और ईएसए का साझा अभियान

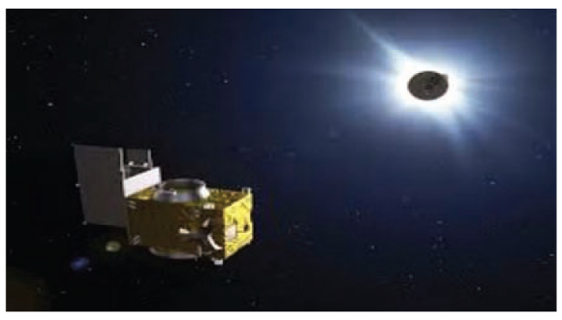

बेंगलूरू

अंतरिक्ष में सूर्य अध्ययन के लिए कृत्रिम ग्रहण बनाया जाएगा। इसके लिए यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) का प्रोबा-3 मिशन सितंबर में भारत के पीएसएलवी पर लॉन्च होगा। इस अभिनव मिशन में दो छोटे सैटेलाइट, एक कोरोनाग्राफ और सौर-डिस्क-आकार का ऑकल्टर शामिल हैं। यह जो लगभग 150 मीटर की दूरी पर उड़ान भरेंगे। यूरोपियन एजेंसी ने कहा कि ये मिशन एक कृत्रिम ग्रहण बनाने के लिए दो उपग्रहों के बीच उड़ान भरेगा। यह कोरोनाग्राफ के टेलीस्कोप पर अपनी परछाई डालेगा। इससे सूर्य का सीधा प्रकाश अवरुद्ध हो जाएगा। इससे कोरोनाग्राफ को एक समय में कई घंटों तक पराबैंगनी और ध्रुवीकृत प्रकाश में धुंधले सौर कोरोना की छवि बनाई जा सकेगी। मॉरीशस के साथ उपग्रह बनाएगा इसरो संयुक्त लघु उपग्रह बनाने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और मॉरीशस रिसर्च एंड इनोवेशन काउंसिल (एमआरआईसी) के बीच पिछले वर्ष 1 नवंबर, 2023 को मॉरीशस के पोर्ट लुई में हुए समझौते को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी।

एक राष्ट्र-एक चुनाव: कोविंद के नेतृत्व वाले पैनल ने जनता से मांगे सुझाव, राजनीतिक दलों से की ये अहम अपील

नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के नेतृत्व में एक राष्ट्र एक चुनाव पर पैनल ने देश में एकसाथ चुनाव कराने के लिए मौजूदा कानूनी प्रशासनिक ढांचे में उचित बदलाव करने के लिए जनता से सुझाव मांगा गया है। एक सार्वजनिक बैठक में उच्च स्तरीय समिति ने बताया कि 15 जनवरी तक प्राप्त सुवाझों पर विचार किया जाएगा।

जनता अपने सुझाव समिति की वेबसाइट या फिर ईमेल के जरिए भेज सकती है। पिछले साल सितंबर में गठन के बाद समिति की दो बैठक हो चुकी है। हाल ही में समिति ने अन्य राजनीतिक पार्टियों से भी सुझाव की मांग की थी। समिति ने छह राष्ट्र पार्टियों, 33 रज्य की पार्टियों और सात पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त पार्टियों को चिट्ठी लिखी थी। एक साथ चुनाव कराने के लिए समिति ने विधि आयोग के विचार भी सुने। बता दें कि इस समिति क उद्देश्य संविधान के तहत लोकसभा, राज्य विधान सभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए जांच करना और सिफारिशें करना है।

'जब मन करेगा, तब...' राम मंदिर का निमंत्रण न मिलने पर उद्धव ठाकरे का एलान

मुंबई

अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए लोगों को घर-घर जाकर निमंत्रण दिया जा रहा है। इस समारोह के लिए बालासाहेब उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना को अभी तक निमंत्रण नहीं मिला है। इस बीच, पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि पार्टी के नेता 22 जनवरी को नासिक में स्थित कालाराम मंदिर जाएंगे और गोदावरी नदी के तट पर महाआरती करेंगे। ठाकरे ने अपनी मां दिवंगत मीना ठाकरे को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बात की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी उनका मन होगा, वह अयोध्या जाएंगे।

गर्व और स्वाभिमान की बात

उन्होंने कहा, 'अयोध्या में राम मंदिर का अभिषेक गर्व और स्वाभिमान की बात है। उस दिन हम शाम साढ़े छह बजे कालाराम मंदिर जाएंगे, जहां डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और समाज सुधारक साने गुरुजी ने विरोध प्रदर्शन किया था। शाम साढ़े सात बजे हम गोदावरी नदी के तट पर महाआरती करेंगे।' बता दें, नासिक के पंचवटी इलाके में स्थित कालाराम मंदिर भगवान राम को समर्पित है। मंदिर का नाम काले पत्थर से बनाई गई भगवान राम की मूर्ति से लिया गया है। ऐसा माना जाता है कि भगवान राम अपने वनवास के दौरान प%ी सीता और अपने भाई लक्ष्मण के साथ पंचवटी में रुके थे। सन् 1930 में डॉ आंबेडकर ने मंदिर में दलितों के प्रवेश की मांग के लिए कालाराम मंदिर में एक विरोध प्रदर्शन किया था। अयोध्या में राम मंदिर का अभिषेक समारोह 22 जनवरी को होगा। ठाकरे को इस कार्यक्रम के लिए निमंत्रण नहीं मिला है। उन्होंने 23 जनवरी को अपने पिता और शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे की जयंती पर नासिक में एक रैली आयोजित करने की बात कही है। ठाकरे ने पिछले शनिवार को बताया था कि उन्हें कोई निमंत्रण नहीं मिला है। उन्होंने कहा था कि अयोध्या जाने के लिए किसी के बुलाने की जरूरत नहीं है क्योंकि रामलला सभी के हैं। जब भी मन करेगा, वह जाएंगे। शिवसेना ने राम मंदिर आंदोलन में बहुत योगदान दिया है।

विपक्षी गठबंधन में सीट बंटवारे की चुनौती, टीएमसी बोली- बात नहीं बनी तो अकेले चुनाव लड़ने को तैयार

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि 'लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ खुले दिल से सीट बंटवारे पर बात करेंगे, लेकिन अगर बातचीत असफल रहती है तो हम अकेले चुनाव लड़ने के लिए भी तैयार हैं।' लोकसभा में टीएमसी के नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि 'स्थानीय कांग्रेस नेता सीट बंटवारे पर क्या सोच रहे हैं, इसका कोई मतलब नहीं हैं क्योंकि इसका अंतिम फैसला दोनों पार्टियों का शीर्ष नेतृत्व ही करेगा।'

अधीर रंजन चौधरी के बयान पर टीएमसी ने दी प्रतिक्रिया

सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा 'हमारी नेता ममता बनर्जी पहले ही कह चुकी हैं कि कांग्रेस के लिए हमारा दिल खुला है। अब वह क्या करेंगे, यह उन पर है। पश्चिम बंगाल में जो भी होगा, वह सोनिया गांधी और ममता बनर्जी ही तय करेंगी।' टीएमसी की तरफ से यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी के आगे सीटों के लिए भीख नहीं मांगेगी। एक अन्य टीएमसी नेता ने नाम ना जाहिर करने की शर्त पर बताया कि पार्टी राज्य में गठबंधन के लिए सहमत है लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो अकेले चुनाव लड़ने के लिए भी तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीएमसी राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से चार सीटें कांग्रेस के लिए छोड़ने पर विचार कर रही है।

बंगाल में गठबंधन को लेकर संशय के हालात

पश्चिम बंगाल में गठबंधन को लेकर आशंका के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने अपने एक बयान में टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के गठबंधन का प्रस्ताव दिया था, लेकिन सीपीआई(एम) ने तुरंत ममता बनर्जी के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने भी इसकी आलोचना की थी। बाद में ममता बनर्जी ने दोनों पार्टियों पर भाजपा से साठगांठ करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि बंगाल में भाजपा को टक्कर टीएमसी ही दे सकती है। अब दोनों पार्टियों के बीच हो रही ताजा बयानबाजी से भी गठबंधन पर संकट के बादल मंडराते दिख रहे हैं।

'पीएम मोदी लक्षद्वीप जाते हैं, लेकिन मणिपुर क्यों नहीं गए?' कांग्रेस ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'पीएम मोदी नई नई जगह जाकर फोटोशूट कराते हैं लेकिन वह मणिपुर जाकर लोगों को समझा नहीं सकते। मोदी जरूरतमंदों के बीच क्यों नहीं गए? कांग्रेस की यात्रा जन-जागृति के लिए है।' बीते शीतकालीन सत्र में विपक्षी सांसदों के निलंबन पर खरगे ने कहा कि 'जो सांसद शांत थे, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की गई। विपक्षी पार्टियों को संसद में अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला।'

प्रधानमंत्री के मणिपुर नहीं जाने पर उठाए सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 'मणिपुर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, लेकिन पीएम मोदी वहां जाने के बजाय बीच पर चले गए। स्वीमिंग करते हुए फोटो सेशन कराया। निर्माणाधीन राम मंदिर पर फोटो खिंचाने चले गए या केरल और मुंबई चले गए। वह सभी जगह जा रहे हैं, आप भगवान के दर्शन की तरह सभी जगह उनकी तस्वीरें देख सकते हैं, लेकिन वह मणिपुर क्यों नहीं गए?' दरअसल भारत का उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर बीते कई महीनों से जातीय हिंसा से जूझ रहा है। मणिपुर के बहुसंख्यक मैतई समुदाय को जनजातीय आरक्षण का लाभ देने के फैसले के खिलाफ राज्य में हिंसा शुरू हुई थी, जिसमें अभी तक 200 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का लोगो जारी किया। इस दौरान खरगे ने कहा कि भारत जोड़ों न्याय यात्रा, देशवासियों को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय दिलाने की ओर हमारा एक मजबूत कदम है। खरगे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा 'जब हमने संसद में देश से जुड़े मुद्दे उठाने की कोशिश की तो सरकार ने हमें बोलने नहीं दिया। देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। यही वजह है कि हम भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए लोगों के बीच जा रहे हैं ताकि हम उनकी बात सुन सकें और हमारी बात कह सकें।' कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी से शुरू होगी। खास बात है कि राहुल गांधी द्वारा निकाली जा रही इस यात्रा की शुरुआत मणिपुर की राजधानी इंफाल से होगी।

जेल में बंद इमरान के लेख पर बवाल, पाकिस्तान सरकार ब्रिटिश मीडिया संस्थान को पत्र लिख पूछेगी मापदंड

इस्लामाबाद

पाकिस्तान सरकार ने कहा है कि वह जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हवाले से एक लेख के प्रकाशन को लेकर एक ब्रिटिश मीडिया संस्थान से संपर्क करेगी क्योंकि इस लेख ने संपादकीय निर्णय और विषय-वस्तु की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' में गुरुवार को 'इमरान खान ने आगाह किया कि पाकिस्तान चुनाव तमाशा हो सकता है' शीर्षक से लेख प्रकाशित हुआ। लेख में इस बात पर काफी संदेह जताया गया है कि क्या पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाला चुनाव घोषणा के अनुसार होगा। खान ने लेख में अमेरिका के दबाव में प्रतिष्ठान द्वारा 2022 में सत्ता से उन्हें साजिशन हटाने और चुनावों में समान अवसर न दिए जाने की बात दोहराई है। इस लेख को पाकिस्तान सरकार और अमेरिका के विदेश विभाग ने पहले ही खारिज कर दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं और उन पर कई अन्य मुकदमे चलाए जा रहे हैं। कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने शुक्रवार को कहा कि जेल में बंद खान के हवाले से लिखे एक लेख के संबंध में ब्रिटिश प्रकाशन 'द इकोनॉमिस्ट' के संपादक को सरकार पत्र लिखेगी। उन्होंने कहा कि यह हैरान और परेशान करने वाली बात है कि इतने प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान ने एक ऐसे व्यक्ति के नाम से लेख प्रकाशित किया है, जो जेल में है और जिसे दोषी ठहराया गया है। पूर्व पत्रकार सोलांगी के हवाले से कहा गया है कि 'हमारा मानना है कि नैतिक मानदंडों को बरकरार रखना और जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा देना अत्यधिक आवश्यक है।' उन्होंने कहा, 'हम यह जानना चाहते हैं कि संपादकीय निर्णय कैसे लिए जाते हैं और द इकोनॉमिस्ट द्वारा सामग्री की वैधता एवं विश्वसनीयता के संदर्भ में क्या ध्यान में रखा जाता है।' रिपोर्ट में यह भी बताया कि खान की पार्टी के सूत्र इस पर टिप्पणी करने से बच रहे हैं कि यह लेख जेल के भीतर से ब्रिटिश मीडिया संस्थान तक कैसे पहुंचाया गया। हालांकि, उन्होंने यह माना कि लेख निश्चित रूप से खान के शब्दों में लिखा गया है। कुछ पर्यवेक्षकों ने इस पर संदेह जताया है कि क्या लेख वाकई खान ने लिखा है, लेकिन कई पर्यवेक्षकों का कहना है कि लेख की भाषा और विषय-वस्तु खान के विचारों के अनुरूप है।

'मोदी की गारंटी पर देश ही नहीं, दुनिया को भी विश्वास', विदेश मंत्री ने बताया क्या है इसका मतलब

तिरुवनंतपुरम

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आज मोदी की गारंटी ऐसी चीज है, जिस पर ना सिर्फ देश में बल्कि दुनिया में विश्वास किया जाता है। विदेश मंत्री ने दावा किया कि देश में बीते 10 सालों में बहुत बदलाव आए हैं और अब जब वह विदेश दौरे पर होते हैं तो वहां के लोग देश में आए बदलावों पर बात करना चाहते हैं। तिरुवनंतपुरम में केंद्र सरकार की 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा 'आज मोदी की गारंटी ऐसी है जिस पर ना सिर्फ देश में बल्कि दुनिया को भी विश्वास है। मोदी की गारंटी का मतलब है कि गुड गवर्नेंस, जनकेंद्रित नीतियां। इसका मतलब है कि अगर कोई विदेश में मुश्किल में होगा, चाहे वो सऊदी अरब में हो, संयुक्त अरब अमीरात में हो या यूक्रेन में फंसे छात्र हों, पीएम मोदी उनके लिए वहां भी हैं। बीते 10 सालों में यह बड़ा बदलाव आया है।' विदेश मंत्री ने कहा कि 'जब भी मैं विदेश जाता हूं तो वहां 10 मिनट ही मैं अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर चर्चा करता हूं बाकी के समय लोग मुझसे भारत के बारे में ही चर्चा करते रहते हैं। जैसे कि भारत में क्या बदला? यह बदलाव कैसे संभव हुआ? क्योंकि जब आप आंकड़े देखते हैं तो अन्न योजना, ऐसी योजना है, जैसे पूरे अमेरिका और पूरे यूरोप को एक साथ भोजन मुहैया कराना। यही वजह है कि आज भारत के लिए सम्मान बहुत बढ़ गया है। सम्मान इसलिए है क्योंकि वह बदलाव देख रहे हैं।'

जयशंकर ने कहा- नेपाल से रिश्ते मजबूत हुए, पड़ोसियों से अच्छे संबंधों के लिए भारत प्रतिबद्ध

काठमांडू

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को नेपाल में भूकंप के बाद कई पुनर्निर्माण परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने पड़ोसियों, विशेष रूप से नेपाल के साथ अपने संबंधों को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत-नेपाल संबंध आगामी दिनों में कई मील के पत्थर पार करते रहेंगे। नेपाली विदेश मंत्री एनपी सऊद के साथ जयशंकर ने काठमांडो से 8 किमी दक्षिण में कीर्तिपुर में भारत की मदद से निर्मित त्रिभुवन विवि पुस्तकालय की नई इमारत का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। उन्होंने मॉनिटर पर लेजर बीम जलाकर दूर से भूकंप के बाद की पुनर्निर्माण परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। इसमें 25 स्कूल, 32 स्वास्थ्य सुविधाएं व 1 संस्कृति केंद्र शामिल हैं। ये परियोजनाएं 2015 में भूकंप के बाद सहयोगात्मक प्रयास के हिस्से के रूप में शुरू की गईं थीं। इस मौके पर जयशंकर ने द्विपक्षीय साझेदारी का कई गुना विस्तार होने और भौतिक, डिजिटल या ऊर्जा संपर्क बढ़ने को विस्तारित सहयोग की आधारशिला बताया, जिससे दोनों देशों में लोगों के संबंध भी मजबूत हुए हैं। जयशंकर ने कहा कि उनकी यात्रा के दौरान, दोनों देशों में बिजली सहयोग के साथ-साथ परियोजना कार्यान्वयन क्षेत्रों में कुछ अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि इससे नेपाल में आम लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

400 साल तक बर्फ में दबे रहे केदारनाथ धाम के 10 रहस्य

भारतीय राज्य उत्तराखंड में गिरिराज हिमालय की केदार नामक चोटी पर स्थित देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक सर्वोच्च केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग का मंदिर। पुराण कथा अनुसार हिमालय के केदार श्रृंग पर भगवान विष्णु के अवतार महातपस्वी नर और नारायण ऋषि तपस्या करते थे। उनकी आराधना से प्रसन्न होकर भगवान शंकर प्रकट हुए और उनके प्रार्थनानुसार ज्योतिर्लिंग के रूप में सदा वास करने का वर प्रदान किया। यह स्थल केदारनाथ पर्वतराज हिमालय के केदार नामक श्रृंग पर अवस्थित है।

भारतीय राज्य उत्तराखंड में गिरिराज हिमालय की केदार नामक चोटी पर स्थित देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक सर्वोच्च केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग का मंदिर। इस संपूर्ण क्षेत्र को केदारनाथ धाम के नाम से जाना जाता है। यह स्थान छोटा चार धाम में से एक है। केदारनाथ धाम और मंदिर के संबंध में कई कथाएं जुड़ी हुई हैं। आओ जानते हैं इस संबंध में 10 रहस्यमयी जानकारी।

1. शिवलिंग उत्पत्ति का रहस्य:

पुराण कथा अनुसार हिमालय के केदार श्रृंग पर भगवान विष्णु के अवतार महातपस्वी नर और नारायण ऋषि तपस्या करते थे। उनकी आराधना से प्रसन्न होकर भगवान शंकर प्रकट हुए और उनके प्रार्थनानुसार ज्योतिर्लिंग के रूप में सदा वास करने का वर प्रदान किया। यह स्थल केदारनाथ पर्वतराज हिमालय के केदार नामक श्रृंग पर अवस्थित है।

केदार घाटी में दो पहाड़ हैं- नर और नारायण पर्वत। विष्णु के 24 अवतारों में से एक नर और नारायण ऋषि की यह तपोभूमि है। दूसरी ओर बद्रीनाथ धाम है जहां भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। इसी आशय को शिवपुराण के कोटि रुद्र संहिता में भी व्यक्त किया गया है।

2. पांडव कथा

कहा जाता है जब पांडवों को स्वर्गप्रयाण के समय शिवजी ने भैंसे के स्वरूप में दर्शन दिए थे जो बाद में धरती में समा गए लेकिन पूर्णतः समाने से पूर्व भीम ने उनकी पुंछ पकड़ ली थी। जिस स्थान पर भीम ने इस कार्य को किया था उसे वर्तमान में केदारनाथ धाम के नाम से जाना जाता है। एवं जिस स्थान पर उनका मुख धरती से बाहर आया उसे पशुपतिनाथ (नेपाल) कहा जाता है। पुराणों में पंचकेदार की कथा नाम से इस कथा का विस्तार से उल्लेख मिलता है।

3. केदारनाथ और पशुपति नाथ मिलकर पूर्ण शिवलिंग बनता है:

केदारनाथ मंदिर उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। इसे अर्द्धज्योतिर्लिंग कहते हैं। नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर को मिलाकर यह पूर्ण होता है। यहां स्थित स्वयंभू शिवलिंग अतिप्राचीन है। यहां के मंदिर का निर्माण जन्मेजय ने कराया था और जीर्णोद्धार आदिशंकराचार्य ने किया था।

4. एक रेखा पर बने हैं केदारनाथ और रामेश्वरम मंदिर

केदारनाथ मंदिर को रामेश्वरम मंदिर की सीध में बना हुआ माना जाता है। उक्त दोनों मंदिरों के बीच में कालेश्वर (तेलंगाना), श्रीकालाहस्ती मंदिर (आंध्रा), एकम्बरेश्वर मंदिर (तमिलनाडु), अरुणाचल मंदिर (तमिलनाडु), तिलई नटराज मंदिर (चिदंबरम) और रामेश्वरम् (तमिलनाडु) आता है। ये शिवलिंग पंचभूतों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

5. 400 वर्ष तक बर्फ में दबा रहा मंदिर

वर्तमान में स्थित केदारेश्वर मंदिर के पीछे सर्वप्रथम पांडवों ने मंदिर बनवाया था, लेकिन वक्त के थपेड़ों की मार के चलते यह मंदिर लुप्त हो गया। बाद में 8वीं शताब्दी में आदिशंकराचार्य ने एक नए मंदिर का निर्माण कराया, जो 400 वर्ष तक बर्फ में दबा रहा। तब इस मंदिर का निर्माण 508 ईसा पूर्व जन्मे और 476 ईसा पूर्व देहत्याग गए आदिशंकराचार्य ने करवाया था। इस मंदिर के पीछे ही उनकी समाधि है। इसका गर्भगृह अपेक्षाकृत प्राचीन है जिसे 80वीं शताब्दी के लगभग का माना जाता है। पहले 10वीं सदी में मालवा के राजा भोज द्वारा और फिर 13वीं सदी में मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया।

400 सालों तक कैसे बर्फ में दबा रहा केदारनाथ का मंदिर और जब बर्फ से बाहर निकला तो पूर्णतः सुरक्षित था। देहरादून के वाडिया इंस्टीट्यूट के हिमालयन जियोलॉजिकल वैज्ञानिक विजय जोशी के अनुसार 13वीं से 17वीं शताब्दी तक यानी 400 साल तक एक छोटा हिमयुग आया था जिसमें हिमालय का एक बड़ा क्षेत्र बर्फ के अंदर दब गया था। उसमें यह मंदिर क्षेत्र भी था। वैज्ञानिकों के अनुसार मंदिर की दीवार और पत्थरों पर आज भी इसके निशान देखे जा सकते हैं। दरअसल, केदारनाथ का यह इलाका चोराबरी ग्लैशियर का एक हिस्सा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लैशियरों के लगातार पिघलते रहने और चट्टानों के खिसकते रहने से आगे भी इस तरह का जलप्रलय या अन्य प्राकृतिक आपदाएं जारी रहेंगी।

6. छह माह तक नहीं बुझता है दीपक

दीपावली महापर्व के दूसरे दिन के दिन शीत ऋतु में मंदिर के द्वार बंद कर दिए जाते हैं। 6 माह तक मंदिर के अंदर दीपक जलता रहता है। पुरोहित ससम्मान पट बंद कर भगवान के विग्रह एवं दंडी को 6 माह तक पहा ? के नीचे ऊखीमठ में ले जाते हैं। 6 माह बाद मई माह में केदारनाथ के कपाट खुलते हैं, तब उत्तराखंड की यात्रा आरंभ होती है। 6 माह मंदिर और उसके आसपास कोई नहीं रहता है। लेकिन आश्चर्य की बा ?त कि 6 माह तक दीपक भी जलता रहता और निरंतर पूजा भी होती रहती है। कपाट खुलने के बाद यह भी आश्चर्य का विषय है कि वैसी की वैसी ही साफ-सफाई मिलती है, जैसी कि छोड़कर गए थे।

7. लुप्त हो जाएगा केदारनाथ

पुराणों की भविष्यवाणी के अनुसार इस समूचे क्षेत्र के तीर्थ लुप्त हो जाएंगे। माना जाता है कि जिस दिन नर और नारायण पर्वत आपस में मिल जाएंगे, बद्रीनाथ का मार्ग पूरी तरह बंद हो जाएगा और भक्त बद्रीनाथ के दर्शन नहीं कर पाएंगे। पुराणों के अनुसार वर्तमान बद्रीनाथ धाम और केदारेश्वर धाम लुप्त हो जाएंगे और वर्षों बाद भविष्य में भविष्यबद्री नामक नए तीर्थ का उद्गम होगा।

8. तूफान और बाढ़ में भी रहता है सुरक्षित

16 जून 2013 की रात प्रकृति ने कहर बरपाया था। जलप्रलय से कई बड़ी-बड़ी और मजबूत इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढहकर पानी में बह गईं, लेकिन केदारनाथ के मंदिर का कुछ नहीं बिगड़ा। आश्चर्य तो तब हुआ, जब पीछे पहाड़ी से पानी के बहाव में लुढ़कती हुई विशालकाय चट्टान आई और अचानक वह मंदिर के पीछे ही रुक गई! उस चट्टान के रुकने से बाढ़ का जल 2 भागों में विभक्त हो गया और मंदिर कहीं ज्यादा सुरक्षित हो गया। इस प्रलय में लगभग 10 हजार लोगों की मौत हो गई थी।

9. कैसे बना होगा यह मंदिर, रहस्य बरकरार

यह मंदिर कटवां पत्थरों के भूरे रंग के विशाल और मजबूत शिलाखंडों को जोड़कर बनाया गया है। 6 फुट ऊंचे चबूतरे पर खड़े 85 फुट ऊंचे, 187 फुट लंबे और 80 फुट चौड़े मंदिर की दीवारें 12 फुट मोटी हैं। यह आश्चर्य ही है कि इतने भारी पत्थरों को इतनी ऊंचाई पर लाकर व तराशकर कैसे मंदिर की शक्ल दी गई होगी? खासकर यह विशालकाय छत कैसे खंभों पर रखी गई? पत्थरों को एक-दूसरे में जोड़ने के लिए इंटरलॉकिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

10. निरंतर बदलती रहती है यहां की प्रकृति

केदारनाथ धाम में एक तरफ करीब 22 हजार फुट ऊंचा केदार, दूसरी तरफ 21 हजार 600 फुट ऊंचा खर्चकुंड और तीसरी तरफ 22 हजार 700 फुट ऊंचा भरतकुंड का पहाड़। न सिर्फ 3 पहाड़ बल्कि 5 नदियों का संगम भी है यहां- मं ?दाकिनी, मधुगंगा, क्षीरगंगा, सरस्वती और स्वर्णगौरी। इन नदियों में अलकनंदा की सहायक मंदाकिनी आज भी मौजूद है। इसी के किनारे है केदारेश्वर धाम। यहां सर्दियों में भारी बर्फ और बारिश में जबरदस्त पानी रहता है। यहां कब बादल फट जाए और कब बाढ़ आ जाए कोई नहीं जानता।

कानपुर ने श्रीराम के लिए अंग्रेजों से लिया था मोर्चा

यहां की रामलीला में है खासियत

भगवान राम के लिए कानपुर को अंग्रेजों से मोर्चा लेना पड़ा। आखिरकार अंग्रेजों को झुकना पड़ा। बाद के वर्षों में अंग्रेजों की इसमें रुचि बढ़ गई और वे भी राम लीला देखने आने लगे। पूरी रामलीला रामायण की चौपाइयों पर आधारित है। इसमें अभिनय के लिए कोई स्त्री पात्र नहीं होती है। पुरुष ही यह रोल करते हैं।

वर्ष 1877...शहर में परेड श्री रामलीला की नींव पड़ी। लेकिन भगवान राम के लिए कानपुर को अंग्रेजों से मोर्चा लेना पड़ा। आखिरकार अंग्रेजों को झुकना पड़ा। बाद के वर्षों में अंग्रेजों की इसमें रुचि बढ़ गई और वे भी राम लीला देखने आने लगे। पूरी रामलीला रामायण की चौपाइयों पर आधारित है। इसमें अभिनय के लिए कोई स्त्री पात्र नहीं होती है। पुरुष ही यह रोल करते हैं। भगवान श्री राम के पात्र का जो अभिनय करता है, उनके समेत यहां आधा दर्जन पात्र कपियों की वापसी तक केवल फलाहार पर रहते हैं। श्री राम मंदिर के एक विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है। इसके लिए श्री रामलीला कमेटी ने तैयारी कर ली है। कमेटी परेड रामलीला समेत श्री रामलीला भवन को भी स्मृति में रख विशेष आयोजन कर रही है। सजावट से राज्याभिषेक समेत कई निर्णय लिए गए हैं।

अंग्रेजों से मांगी गयी थी अनुमति

श्री रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया परेड ग्राउंड पर अंग्रेजों की छावनी थी। बात 1877 की है। महाराज प्रयाग नारायण तिवारी, लाला शिव प्रसाद खत्री और रायबहादुर विशंभर नाथ अग्रवाल ने यहां श्री रामलीला की अनुमति मांगी। पास में ही इसकी शुरुआत हुई तो इसे अंग्रेजों ने भी इसे देखा। वे लीला से प्रभावित हुए और कुछ ही वर्षों में यह लीला परेड में हर वर्ष होने लगी। इसका संचालन करने के लिए श्री रामलीला कमेटी का गठन हो गया। वर्ष 2023 में परेड रामलीला के 147 वर्ष पूरे हो गए। जिस स्मारिका का विमोचन हुआ उसके कवर पेज पर श्री राम मंदिर, अयोध्या का चित्र है। पदाधिकारी कहते हैं कि विश्वास में थे कि वर्ष 2024 में श्री राम मंदिर के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी। वर्ष 2024 में 148 वां वर्ष होगा। श्री राम मंदिर बनने के बाद पहली श्री राम लीला होगी जिसके आयोजन के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

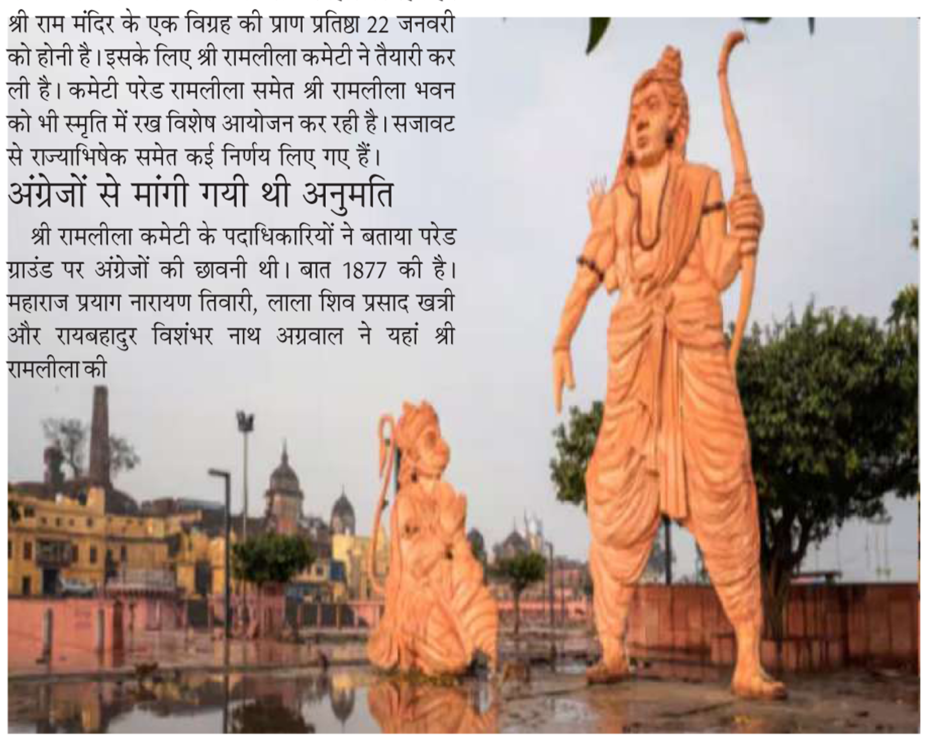

कई बातें बनाती हैं विशेष

श्री रामलीला कमेटी के उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल बताते हैं परेड रामलीला शहर की सबसे पुरानी श्री रामलीला है जिसमें सभी धार्मिक नियमों का पालन होता है। यहां व्यास महेश दत्त चतुर्वेदी जी 42 वर्षों से श्री रामलीला की जिम्मेदारी संभाले हैं। उनके साथ बृजेश चतुर्वेदी रहते हैं। उन्होंने कई वर्षों तक श्री राम जी की भूमिका निभाई है। वह चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं। वह दुबई से इसी रामलीला के लिए कानपुर आते हैं। वर्ष 2023 में सूरज ने श्री राम की भूमिका निभाई थी। किसी महिला को इस मंचन में शामिल नहीं किया जाता है। मथुरा की टोली चार दशकों से मंचन कर रही है। कुछ पात्रों को श्री रामलीला के दौरान कई नियमों का पालन करना होता है। श्री राम समेत कुछ पात्र पूरी लीला के दौरान अन्न ग्रहण नहीं करते हैं। केवल फलाहार करते हैं।

श्री रामलीला भवन है खास

श्री रामलीला भवन परेड भी खास है। यह भी उतना ही पुराना है जितनी पुरानी श्री राम लीला। श्री रामलीला के सभी पात्र पूरी रामलीला के समय यहीं ठहरते हैं। यहां का एसी रिसेप्शन हॉल श्री राम दरबार कहलाता है। यहां श्री दशरथ खंड और श्री सीता खंड भी है।

सद्भावना की प्रतीक है श्रीराम लीला

कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने बताया कि परेड रामलीला हमेशा से सद्भावना का प्रतीक रही है। हर धर्म के लोग श्रद्धा के साथ श्री रामलीला देखने आते हैं। यहां जो पुतले बनाए जाते हैं और जो आतिशबाजी होती है वह मुस्लिम समुदाय से जुड़े लोग कर रहे हैं।

समिति के उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने बताया कि श्री रामलीला सोसाइटी परेड 22 जनवरी को श्री रामलीला भवन से लेकर कोतवाली तक भव्य सजावट व रोशनी करेगा। सुबह से शाम तक आम जनमानस के लिए भंडारा व प्रसाद वितरण किया जाएगा।

सप्त बद्री धाम

बद्रीनाथ एक नहीं 7 है

जिस तरह पंच कैलाश, पंच केदार आदि हिन्दू तीर्थ हैं उसी तरह सप्त बद्री भी हैं जो उत्तराखंड के चमोली में स्थित है और सभी जगह श्रीहरि विष्णु विराजमान हैं।

1. श्री बद्रीनाथ : यह मुख्य बद्रीनाथ धाम है जो उत्तराखंड के चमोली में बद्रिकावन बद्रिकाश्रम में केदारनाथ के पास सिथित है। यह बड़ा और छोटा चार धाम में से एक तीर्थ क्षेत्र है।
2. श्री आदि बद्री : इसे सबसे प्राचीन स्थान कहा जाता है जो उत्तराखंड के चमोली के कर्ण प्रयाग में स्थित है। यहां पर श्रीहरि विष्णु विराजमान है।
3. श्री वृद्ध बद्री : यह स्थान भी चमोली में जोशीमठ के पास अनिमठ में स्थित है।
4. श्री भविष्य बद्री : कहते हैं कि भविष्य में जब केदारनाथ और बद्रीनाथ लुप्त हो जाएंगे तब यही स्थान तीर्थ क्षेत्र होगा। यह स्थान भी चमोली में जोशीमठ के पास सुभैन तपोवन में स्थित है।
5. श्री योगध्यान बद्री : यह स्थान भी चमोली में पांडुकेश्वर में स्थित है।
6. श्री ध्यान बद्री : यह स्थान भी चमोली में उर्गम घाटी (कल्पेश्वर के समीप) स्थित है।
7. श्री नृसिंह बद्री : यह स्थान भी चमोली में जोशीमठ के पास स्थित है।

शिवजी के बारह ज्योतिर्लिंगों के बारह रहस्य

देशभर में जो ज्योर्तिलिंग है वे सभी स्वंभू माने जाते हैं। शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से जीवन में सुखशांति और सौभाग्य प्राप्त होता हैं। 12 ज्योतिर्लिंग के पूजन या दर्शन से जितना पुण्यकाल प्राप्त होता है उतना किसी भी शिवलिंग के पूजन या दर्शन से नहीं होता है। आओ जानते हैं 12 ज्योतिर्लिंग के 12 रहस्य।

1. **सोमनाथ ज्योर्तिलिंग :** यहां के ज्योतिर्लिंग के सबसे प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है। इसे भगवान चंद्रदेव ने स्थापित किया था। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित यह ज्योतिर्लिंग ऐतिहासिक महत्व रखता है।
सौराष्ट्र देशे विशवेऽतिरम्ये, ज्योतिर्मय चंद्रकलावतंसम्।
भक्तिप्रदानाय कृतावतारम् तं सोमनाथं शरणं प्रपद्ये।।

2. श्री मल्लिकार्जुन : यह ज्योतिर्लिंग आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में श्रीशैल पर्वत पर स्थित है। इस पर्वत को दक्षिण का कैलास भी कहते हैं। यह स्थान कृष्णा नदी के तट पर है।
श्री शैलश्रृंगे विविधप्रसंगे, शेषाद्रीश्रृंगेऽपि सदावसंततम्।
तमर्जुनं मल्लिकार्जुनं पूर्वमेकम्, नमामि संसारसमुद्रसेतुम्।।

3. **श्री महाकालेश्वर :** मध्यप्रदेश के उज्जैन में क्षिप्रा नदी तट पर यह ज्योतिर्लिंग स्थित है। इसे महाकाल कहते हैं।
अवंतिकाया विहितावतारम्, मुक्तिप्रदानाय च सज्जनानाम्।
अकालमृत्योः परिरक्षणार्थम्, वंदे महाकाल महासुरेशम्।।

4. **श्री ओंकारेश्वर :** यह ज्योतिर्लिंग मध्यप्रदेश में नर्मदा किनारे स्थित है। यहां पर विंध्य पर्वत ने शिवजी की आराधना की थी। इंदौर से यह स्थान लगभग 95 किलोमीटर दूर है।
कावेरिकानर्मदयोः पवित्रसमागे सज्जनतारणाय।
सदैव मांधातृपुरे वसंतम्, ओंकारमीशं शिवमेकमीडे।

5. **श्री केदारनाथ :** भगवान शिव यह यह स्थान उत्तराखंड के हिमालय में बद्रीनाथ धाम के पास लगभग 12 हजार फुट की ऊंचाई पर है। हरिद्वार से ऋषिकेश और ऋषिकेश से गौरीकुंड जाकर फिर पहाड़ी मार्ग से पैदल या टट्टू पर चढ़कर जाना होता है। इस ज्योतिर्लिंग की कथा पांडवों से जुड़ी है।
हिमाद्रीपार्श्वे च समुल्लसंतम् सम्पूज्यमानं सततं मुनीन्द्रैः।
सुरासुरैर्यक्षमहोरगाद्यैः, केदारसंज्ञं शिवमीशमीडे।

6. **श्री भीमाशंकर :** महाराष्ट्र की सह्याद्री पर्वतमाला में भीमा नदी के तट पर यह ज्योतिर्लिंग स्थित है। नासिक से यह स्थान 180 किलोमीटर पड़ता है। यहां पर भगवान शिव ने भीमासुर राक्षस का वध किया था। पुणे के पास तलेगांव से भी यहां जा सकते हैं।
यो डाकिनीशाकिनिकासमाजैः निषेव्यमाणः पिशिताशनेश्च।
सदैव भीमेशपद्प्रसिद्धम्, तं शंकरं भक्तहिंत नमामि।

7. **श्री विश्वनाथ :** यह ज्योतिर्लिंग उत्तरप्रदेश के वाराणसी गंगा के तट पर स्थित है। इसे बनारस या काशी भी कहते हैं। कहते हैं कि वाराणसी की सीमा में जो व्यक्ति अपने प्राण त्यागता है, वह इस संसार के जंजाल से मुक्त हो जाता है, क्योंकि भगवान विश्वनाथ स्वयं उसे मरते समय तारक मंत्र सुनाते हैं।
सानंदमानंदवने वसंतमानंदकंद हतपापवृंदम्।
वाराणसीनाथमनाथनाथम्, श्री विश्वनाथं शरणं प्रपद्ये।।

8. **श्री त्र्यंबकेश्वर :** यह ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के नासिक से 25 किमी दूर गोदावरी नदी के तट पर है। यह स्थान महर्षि गौतम और उनकी पत्नी गौतमी से जुड़ा है।
सह्याद्रीशीर्षे विमले वसंतम्, गोदावरीतीरपवित्रदेशे।
यद्यर्शनात् पातकपाशु नाशम्, प्रयाति त्र्यंबकमीशमीडे।

9. **श्री वैद्यनाथ :** यह ज्योतिर्लिंग झारखंड के देवघर में स्थित है। कहते हैं- रावण ने घोर तपस्या कर शिव से एक पिण्ड प्राप्त किया जिसे वह लंका में स्थापित करना चाहता था, परंतु शिव लीला से वह पिण्ड वैद्यनाथ में ही स्थापित हो गया।
पूर्वोत्तरे पारलिकाभिधाने, सदाशिवं तं गिरिजासमेतम्।
सुरासुराराधितपादपद्मम्, श्री वैद्यनाथं सततं नमामि।।

10. **श्री नागेश्वर :** महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में हिंगोली नामक स्थान से 27 किमी दूर यह ज्योतिर्लिंग है। यहां दारूक वन में निवास करने वाले दारूक राक्षस का नाश सुप्रिय नामक वैश्य ने शिव द्वारा दिए पाशुपतास्त्र से किया था।
याम्ये सदंगे नगरेऽतिरम्ये, विभूषिताडं विविधैश्च भोगैः।
सद्भक्ति मुक्ति प्रदमीशमेकम्, श्री नागनाथं शरणं प्रपद्यै।।

11. **श्री रामेश्वरम् :** इस ज्योतिर्लिंग का संबंध भगवान राम से है। राम वानर सेना सहित लंका आक्रमण हेतु देश के दक्षिणी छोर पर आ पहुंचे। यहां पर श्रीराम ने बालू का पिण्ड बनाकर शिव की आराधना की और रावण पर विजय हेतु शिव से वरदान मांगा। रामेश्वरम् तमिलनाडु में स्थित है। यहां बस और रेल दोनों से जा सकते हैं।
श्री ताम्रपर्णीजलराशियोगे, निबध्य सेतु निधी बिल्वपत्रैः।
श्रीरामचंद्रेण समर्पितं तम्, रामेश्वराख्यं सततं नमामि।।

12. **श्री घृष्णेश्वर :** महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में दौलताबाद के पास विश्वप्रसिद्ध अजंता-एलोरा की गुफाएं हैं। यहीं पर ज्योतिर्लिंग स्थित है। कहते हैं- घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने से वंशवृद्धि होकर मोक्ष की प्राप्ति होती है।
इलापुरे रम्यशिवालये स्मिन्, समुल्लसंतम त्रिजगद्वरेण्यम्।
वंदेमहोदारतरस्वभावम्, सदाशिवं तं घृषणेश्वराख्यम्।।

बॉलिवुड में मेकअप मेन बन संवारें अपना भविष्य

पैसों के साथ नाम कौन नहीं चाहता। अगर आप भी ऐसा ही चाहते हैं तो फिल्म ऐंड टीवी मेकअप आर्टिस्ट के रूप में ग्लैमरस करियर आपका इंतजार कर रहा है। अगर आपने हाल ही में इंटरमीडिएट किया है और ग्लैमरस करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो फिल्म ऐंड टीवी मेकअप आर्टिस्ट बनने का रास्ता चुन सकते हैं। लेकिन इस करियर को चुनने से पहले यह अच्छी तरह समझ लें कि आपको लंबे समय तक खड़े रह काम करना होगा।

ध्यान रहे कि यह काम आम ब्यूटी पार्लर की तरह भी नहीं है। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपमें एक पेंटर की तरह इमेजिनेशन का होना भी जरूरी है। अगर आपको लगता है कि आप में यह सब है, तो आप मेकअप आर्टिस्ट बन सकते हैं। इस फील्ड में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए स्कोप है। वैसे, इस फील्ड में अभी तक लड़के ही ज्यादा नाम कमा रहे हैं। यही वजह है कि बॉलिवुड में बड़े मेकअप आर्टिस्ट के रूप में किसी लड़की का नाम नहीं है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि वहां लड़कियों के लिए स्कोप नहीं है। यह आर्टिस्ट के टैलंट पर डिपेंड करता है।

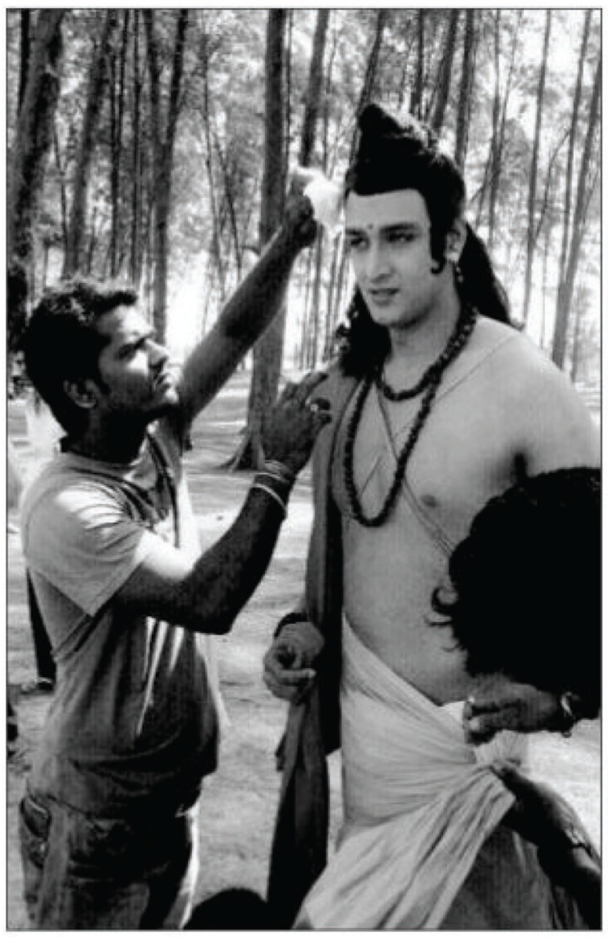

सबसे पहले आपको यह समझना होगा कि फिल्म और टीवी मेकअप फैशन, पार्टी या नॉर्मल मेकअप से काफी डिफरेंट है। यही नहीं, फिल्म मेकअप भी टीवी मेकअप से अलग है। यहां सब कुछ जरूरत पर डिपेंड करता है। हालांकि फिल्म और टीवी मेकअप के बीच गैप अब कम होता जा रहा है। हालांकि हॉरर, पीरियड या और तमाम टाइप की फिल्मों और सीरियल्स के सब्जेक्ट कमोबेश एक से हो गए हैं। कुछ साल पहले भले इनके बीच ज्यादा डिफरेंस हुआ करता था। लेकिन तब से अब तक में सीरियल प्रॉडक्शन की क्वालिटी काफी बदल चुकी है। आप इस फील्ड में करियर बनाने से पहले कुछ समय फिल्मों और सीरियलों पर गौर करें। विभिन्न प्रॉडक्ट (कॉस्मेटिक्स वगैरह) से परिचित हों और एक्स्पेरिमेंट कर के भी देखें। तब आपको पता चलेगा कि आप इस फील्ड में क्या कुछ कर सकेंगे।

रिसर्च और प्लानिंग

आज क्वालिटी इतनी इंपॉर्टेंट हो गई है कि आर्टिस्ट को एक-एक चीज की बारीकी से प्लानिंग करनी पड़ती है। यह भी देखना पड़ता है कि किस मीडियम (विडियो या स्टिल) के लिए मेकअप करना है। यानी मेकअप आर्टिस्ट की छोटी सी गलती बड़ा डिफरेंस पैदा कर सकती है।

इनकम और स्कोप

इस फील्ड में इनकम भी अच्छी खासी होती है। फ्रेशर के रूप में हो सकता है कम पैसे मिलें और आपको समय भी ज्यादा देना पड़े। रात की शिफ्ट में भी काम करना पड़ सकता है। हो सकता है कि शुरुआत में आपको यह सब न जंचे। लेकिन यहां आपको फिल्म के साथ-साथ फैशन की दुनिया में भी काम करने को मिलता है।

कहां से करें कोर्स

फिल्म ऐंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट, पुणे मेकअप में शॉर्ट टर्म कोर्स कराता है। इसका उद्देश्य लेटेस्ट ट्रेंड और तकनीक की जानकारी देकर स्टूडेंट के स्किल को डिवेलप करना होता है। लेकिन यहां उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी जाती है, जिनके पास थोड़ा बहुत एक्स्पीरियंस होता है। पुणे के अलावा बहुत सारे बड़े नाम हैं, जहां से मेकअप आर्टिस्ट के कोर्स किए जा सकते हैं। जैसे इंस्टिट्यूट फॉर फिल्म मेकअप (बेंगलुरू), एनआईएफटी, पर्ल अकैडमी ऑफ फैशन, वीएलसीसी, पॉइंट विमेंस वर्ल्ड इंटरनैशनल और एनआईएफडी वगैरह। अगर आप कोर्स करने के लिए विदेश जाना चाहते हैं, तो वहां आपको और भी बेहतर ऑप्शन मिल जाएंगे। जैसे सिनेमा मेकअप स्कूल, लॉस एंजेल्स, कैलिफॉर्निया, स्कूल ऑफ मेकअप और ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ मेकअप ऐंड स्पेशल इफेक्ट्स आदि। सिनेमा मेकअप स्कूल में ब्यूटी मेकअप से लेकर डिजिटल एफएक्स और प्रोस्थेटिक मेकअप (फिल्म पा में अमिताभ जैसा) तक के कोर्स हैं।

ज्वेलरी से डिजाइन करें करियर

यदि आप कुछ नया करने की सोच रहे हैं तो ज्वेलरी में भी अपना करियर डिजाइन कर सकते हैं। फैशन के इस दौर में विभिन्न बढ़ रही है मांग दिल्ली के भी कई कॉलेजों मे पॉर्ट टाइम प्रफेशनल कोर्स की शुरुआत करना ये साबित कर देता है कि इनकी मांग कितनी बढ़ चुकी है। आज जनरल कोर्सेज की ओर केवल वही बच्चे जाते हैं जिन्हें एकेडेमिक क्षेत्र में अपना करियर बढ़ाना होता है। जो बच्चे 4-5 साल पढ़ाई के बजाय कुछ फाइनैंशली सिक्योर भी होना चाहते हैं , वे तेजी से इन कोर्सेज की ओर आ रहे हैं। कई बार ऐसा चुनाव न कर पाने की वजह से बच्चों में तनाव देखा गया है। ऐसे में मेरा मानना है कि किसी नए क्षेत्र में जाने से उन्हें नहीं रोकना चाहिए। यह साफ देखा गया है कि अपनी पसंद की फील्ड में बच्चे थोड़े समय में ही अच्छा करने लग जाते हैं।

जूलरी डिजाइनिंग का क्षेत्र काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है । इस क्षेत्र में सबके लिए काफी सुनहरे अवसर हैं।

मार्केट में बढ़ती डिमांड के कारण इस क्षेत्र की ओर लोगों का रुझान हाल के वर्षों में काफी बढ़ा है। फिर ये फुलटाइम कोर्स न होने के कारण बच्चों के पास कुछ और करने की भी पूरी छूट रहती है। इसमें कोई भी एडमिशन ले सकता है।

ट्रेंड चेंज लाया प्रोग्रेस

आज जहां पुराने स्टाइल की जूलरी को कुछ फ्यूजन के साथ पसंद किया जाता है , वहीं मॉडर्न वुमन को लाइट एंड ऐलीगेंट जूलरी की खोज रहती है। जाहिर है इससे इस क्षेत्र के मार्केट में गजब का बदलाव आया है। जूलरी आज पूरी तरह फैशन स्टेटमेंट है। इस वजह से आपके लिए इसमें तमाम तरह के कामों से जुड़ने का मौका रहता है।

किसी भी जूलरी फर्म में डिजाइनिंग के अलावा मैन्यूफैक्चरिंग, मॉडल मेकिंग, कास्टिंग, सेटिंग और प्रॉडक्ट की मार्केटिंग आदि के लिए भी लोगों की जरूरत होती है। अगर आपके पास जेमोलॉजी की भी जानकारी है तो ऑप्शन और बढ़ जाते हैं। आज के ट्रेंड को देखते हुए आप चाहे तो बेल्ट, टाई, पर्स, बैग और कॉस्टयूम के क्षेत्र में भी अपना नाम कमा सकते हैं।

मिले बेहतर मुकाम

आज कई बड़े ब्रांड भी इस क्षेत्र में कदम रख चुके हैं। इससे बेहतर डिजाइन और कुछ अलग करने की सब में होड़ लगी रहती है और इसलिए नए डिजाइनरों के लिए इस क्षेत्र में काफी कुछ करने की संभावनाएं भी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई हैं।

जूलरी डिजाइनिंग में आप डिप्लोमा , डिग्री या डिस्टेंस लर्निंग कोर्स करके जूलरी डिजाइनिंग हाउस , एक्सपोर्ट हाउस , फैशन हाउस जॉइन कर सकते हैं या फिर आपके पास फ्रीलांसिंग का भी ऑप्शन रहता है। लेकिन इससे पहले साल या 6 महीने किसी हाउस में ट्रेनिंग लेना बेहतर रहेगा क्योंकि डिजाइनिंग के साथ मार्केटिंग और प्रॉडक्ट लॉंच की बारीकियां जानना भी जरूरी है। अगर कुछ क्रिएटिव करने की आप में ललक और खूबसूरती को परखने की समझ है तो जूलरी डिजाइनिंग आपकी मंजिल हो सकती है।

कुछ अहम बातें

- आपकी ऑउट ऑफ बॉक्स थिंकिंग और इमेजिनेशन है कामयाबी की पहली सीढ़ी
- कीमती पत्थरों की समझ है जरूरी
- कोर्स से कलर कॉम्बिनेशन और टूल्स की जानकारी के अलावा हर तरह की डिजाइनिंग का होता है ज्ञान
- मार्केट ट्रेंड, फैशन फोरकास्टिंग के अनुसार क्या इन है, बढ़ती है उसकी जानकारी
- अच्छे हाउस से ट्रेनिंग दौरान ही होने लगती है 10-15 हजार की कमाई। एक बार काम जमने पर खाता खुला समझिए
- किसी जानी-मानी यूनिवर्सिटी या इंस्टीट्यूट से ही कोर्स करें ताकि जॉब मिलने में समस्या न हो।

कहां उपलब्ध है कोर्स

- आर्च जेमोलॉजी एंड जूलरी इंस्टीट्यूट, जयपुर, राजस्थान।
- जूलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ जेमोलॉजी, करोग बाग, दिल्ली।
- जेमोलॉजिकल इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, हौज खास, नई दिल्ली।

सक्सेस चाहिए, स्मार्ट पर्सनैलिटी बनाइए

किसी भी फील्ड में सक्सेस पाने के लिए परफेक्ट पर्सनैलिटी का होना बेहद जरूरी है। हालांकि इसे हासिल करना थोड़ा मुश्किल जरूर है, लेकिन नामुमकिन कतई नहीं। कुछ बातों का ख्याल रखकर आप भी स्मार्ट पर्सनैलिटी हासिल कर सकते हैं -

किसी भी इंसान की पर्सनैलिटी इंटेलिजेंस, गुड टेस्ट, ग्रेस, ब्यूटी, स्टाइल, कॉन्फिडेंस और कूल ऐटीट्यूड से बनती है। इसके अलावा, सलीके से उठना बैठना, बातचीत करना और एटिकेट्स भी बेहद मायने रखते हैं।

आप खुद भी अपनी पर्सनैलिटी संवार सकते हैं। इसके लिए कोई ग्रूमिंग इंस्टिट्यूट जॉइन कर लें। दरअसल, आपके अंदर तमाम क्वॉलिटीज छिपी होती हैं, बस आप इनसे वाकिफ नहीं होते। पर्सनैलिटी ग्रूमिंग इंस्टीट्यूट इसी झिझक को दूर करके आपके भीतर की क्वॉलिटीज को डिवेलप करने में आपकी मदद करते हैं।

सक्सेस पाने के लिए आपकी पर्सनैलिटी में कुछ ऐसी बातों का होना जरूरी है, जो दूसरों को अट्रैक्ट करे। केवल इंटेलिजेंट और बेहतर वर्कर होना ही काफी नहीं है, बल्कि सफलता पाने के लिए और भी बहुत कुछ चाहिए होता है। इसलिए अपनी उस योग्यता को परखें और फिर उसे निखारने का प्रयास करें।

जरूरी नहीं कि हर इंसान में सब ठीक-ठाक हो। कुछ लोग पढ़े-लिखे तो बहुत होते हैं, लेकिन अपनी बात दूसरों को सही तरीके से समझा नहीं पाते हैं। वहीं कुछ की बॉडी लैंग्वेज सही नहीं होती। कुछ लोग देखने में सुंदर होते हैं, लेकिन उनका ड्रेसिंग सेंस ठीक नहीं होता। वहीं, कुछ लोग सोशल गैदरिंग में सही तरीके से बातचीत नहीं कर पाते। अपनी कमियों को पहचानें और इन्हें दूर करके अपने छिपे टैलंट को निखारें।

सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि आपके भीतर क्या कमियां हैं? कई बार लोगों को कंफ्यूजन रहता है कि वे परफेक्ट हैं। फिर होता यह है कि सफलता न मिल पाने पर वे अपनी कमियों को नहीं, बल्कि किस्मत को जिम्मेदार ठहराने लगते हैं। अगर आपको अपनी कमियां पता होंगी, तो उनको दूर करना आसान हो जाएगा।

पॉजिटिव सोच रखने वालों के साथ वक्त बिताएं। ध्यान रखें कि पर्सनैलिटी निखारने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी पॉजिटिव सोच है। यह तभी आएगी, जब आप पॉजिटिव सोच वाले लोगों के साथ उठेंगे बैठेंगे। अक्सर ऑफिस में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो हर चीज का नेगेटिव पहलू पहले देखते हैं और पॉजिटिव बाद में। इसलिए नेगेटिव चीजों से दूर रहें और नेगेटिव सोच रखने वालों से भी दूरी बनाकर चलें।

ऑफिस में अपने आसपास खुशनुमा माहौल बनाकर रखें। ऐसा आप अपने अच्छे बिहेवियर से बखूबी कर सकते हैं।

कई बार लोग दूसरों को नहीं समझ पाने की वजह से उनकी हर बात पर विश्वास करते चले जाते हैं। लेकिन अगर आपके पास दूसरों को समझने की कपैसिटी है, तो आपके लिए कई चीजें आसान हो जाएंगी और आप चीजों को आसानी से हैंडल कर पाएंगे। इस तरह छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपनी पर्सनैलिटी को निखार सकते हैं।

फिल्म, विज्ञापनों में दिखेगी 'नमो भारत ट्रेन', स्टेशनों पर कर सकेंगे शूटिंग

गाजियाबाद (चेतना मंच)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने हाल ही में फिल्म शूटिंग सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजनों के लिए आरआरटीएस स्टेशन परिसर और प्रतिष्ठित नमो-भारत ट्रेनों को किराए पर उपलब्ध करवाने के लिए एक व्यापक नीति तैयार की है। इस नीति के तहत आरआरटीएस स्टेशन और नमो-भारत ट्रेनें अब फिल्म शूटिंग, डॉक्यूमेंट्री और टीवी विज्ञापनों आदि के लिए अल्पकालिक अवधि के लिए किराए पर उपलब्ध हैं।

ओटीटी प्लेटफार्मों और डिजिटल परिदृश्य के प्रसार के साथ, फीचर फिल्मों, डॉक्यूमेंट्री और वेब सीरीज के फिल्मांकन की पृष्ठभूमि के रूप में सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों, विशेष रूप से मेट्रो रेल प्रणालियों के उपयोग में वृद्धि हुई है। आधुनिक शूटिंग स्थानों की तलाश करने वाले फिल्म निर्माताओं के लिए एनसीआरटीसी का यह निर्णय एक आकर्षक अवसर प्रदान करेगा।

कॉरिडोर	कॉरिडोर डीटेल्स	एरिया ऑफ बुकिंग	बुकिंग रेट (INR) /प्रति घंटा
दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ	सभी RRTS स्टेशन	नमो भारत ट्रेन के अंदर	2,00,000/-
		आरआरटीएस स्टेशन में	2,00,000/-
		नमो भारत ट्रेन और स्टेशन दोनों जगह	3,00,000/-
		डिपो/साइट्स	2,5 0,000/-

आरआरटीएस स्टेशनों का बाहरी आवरण मोर पंख के जीवंत रंगों से प्रेरणा लेते हुए आकर्षक नीले और बेज रंग से तैयार किया गया है। ये स्टेशन प्राकृतिक रोशनी से भरपूर, अच्छी तरह से प्रकाशित और हवादार स्थान प्रदान करते हैं।

वहीं नमो भारत ट्रेनें विश्वस्तरीय सुविधाओं से साथ ही अपनी अनोखी लुक के लिए भी पहचानी जा रही हैं, जिनका एयरो-डायनामिक प्रोफाइल इनकी लुक को शानदार और मनमोहक बनाता है। एयरो-डायनामिक प्रोफाइल की मदद से ये ट्रेनें उच्च गति पर हवा के खिंचाव को आसानी से कम करने में सक्षम हैं।

आरआरटीएस परिसर को शूटिंग के अलावा अन्य आयोजन उद्देश्यों के लिए भी किराए पर लिया जा सकता है। यदि रात के समय (गैर-राजस्व घंटे) के दौरान नमो भारत ट्रेनों की आवश्यकता होगी तो उस पर भी विचार होगा। शूटिंग के लिए लिस्ट भी बनाई गई है। फिल्म निर्माताओं के पास अब आरआरटीएस स्टेशनों और आकर्षक नमो-भारत ट्रेनों में शूटिंग का लाभ उठाने का एक बेहतर अवसर है।

82 किमी लंबा दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर देश में लागू होने वाला भारत का प्रथम आरआरटीएस कॉरिडोर है। इस कॉरिडोर में दो डिपो स्टेशनों सहित 25 स्टेशन शामिल होंगे। जून 2025 में दिल्ली के सराय काले खां से लेकर मेरठ के मोदीपुरम तक नमो भारत ट्रेनें संचालित करने का लक्ष्य है।

उल्लेखनीय है कि 20 अक्टूबर, 2023 को प्रधानमंत्री ने भारत के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर के 17 किमी लंबे प्राथमिकता खंड का उद्घाटन किया थाा और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

फोनरवा में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के प्रत्याशी अशोक मिश्रा का भाजपा में कद बढ़ा

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ़ नॉएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन यानी फोनरवा में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी का चुनाव लड़ रहे अशोक मिश्रा का भाजपा में कद बढ़ गया है। उन्हें अब नोएडा महानगर कमेटी में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष का पद दिया जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा महानगर की भाजपा कमेटी का गठन तकरीबन हो चुका है। एक या दो दिन में इसकी औपचारिक घोषणा होने जा रही है। मालूम हो कि इसके पूर्व अशोक मिश्रा सरस्वती शिशु मंदिर मंडल के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा रहे थे। पार्टी में उनकी कमर्ठता तथा सक्रियता को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने अब उन्हें भाजपा नोएडा महानगर में वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया है। अशोक मिश्रा इससे पूर्व फोनरवा में पिछले दो कार्यकाल से फोनरवा अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे है।

पहली बार की नीलामी के नतीजे मंगलवार को होंगे जारी

नोएडा। हल्के वाहनों की नई सीरीज यूपी16ईसी के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की पहली बार की नीलामी के नतीजे मंगलवार को जारी होंगे। लोग परिवहन विभाग की वेबसाइट पर शाम छह बजे नीलामी के नतीजे देख सकेंगे।

परिवहन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पहली बार की नीलामी के नतीजे जारी होने के बाद फिर से पंजीकरण और बोली की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके परिणाम जारी होने के बाद लोग बचे नंबरों को पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर बुक कर सकेंगे। इसके अलावा सामान्य पसंदीदा नंबरों को भी बुक करने की सुविधा है। इसमें दोपहिया वाहन के लिए एक हजार रुपये और चार पहिया वाहन के लिए पांच हजार रुपये शुल्क निर्धारित है। प्रत्येक सीरीज में आकर्षक और अति आकर्षक नंबर से अधिक सामान्य पसंदीदा नंबर बुक होते हैं।

नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने 6 हजार लोगों के काटे चालान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं अथवा लापरवाही से वाहन चला रहे हैं तो यह भूल कभी ना करें कि आपको कोई देख नहीं रहा है। नोएडा ट्रैफिक पुलिस की तीसरी नजर आप पर दूर से ही नजर रख रही है। ट्रैफिक रुल्स का पालन ना किए जाने पर नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने 6 हजार लोगों के चालान काटे हैं।

आपको बता दें कि सड़क सुरक्षा एवं दृष्टिगत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नोएडा समेत पूरे गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में 4 जनवरी से 18 जनवरी 2024 तक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शनिवार, 6 जनवरी को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरूद्ध चैकिंग की गई। अभियान के दौरान कुल 5479 वाहनों के विरूद्ध प्रवर्तन तथा माडल टाउन, किसान चौक, सेक्टर 51, 52 मैट्रो स्टेशन, सेक्टर 37, सूरजपुर, परी चौक व दादरी आदि स्थानों पर कुल 17 वाहनों के विरूद्ध सीज की कार्रवाई की गई।

एनएमआरसी बस स्टैण्ड सेक्टर 37 ट्रैफिक बूथ पर सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत यातायात पुलिस की रोड सेफ्टी सैल द्वारा कोहरे के दृष्टिगत सड़क दुर्घटना से बचाव व यातायात नियमों का पालन करने के लिए 355 ऑटो/ई-रिक्शा वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए शेयर एनजीओ के सहयोग से नुक्कड नाटक द्वारा जागरूक किया गया। सेक्टर 37 पर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के लगभग 10 छात्र द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा छात्रों को कमाण्ड कन्ट्रोल सेंटर सेक्टर 94 नोएडा पर स्क्रीन के माध्यम से प्रवर्तन सम्बन्धी जानकारी दी गई।

ऑटो/ई-रिक्शा चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण

इसके अलावा एनएमआरसी बस स्टैण्ड सेक्टर 37 ट्रैफिक बूथ पर फेलिक्स अस्पताल सैक्टर 137 के सहयोग से 355 ऑटो/ई-रिक्शा चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें नेत्र परीक्षण, शुगर, बीपी आदि की जांच की गई। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में अपर पुलिस उपायुक्त नोएडा, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात प्रथम/द्वितीय, यातायात निरीक्षक प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, यातायात रोड सेफ्टी सेल, यातायात कर्मी आदि उपस्थित रहे। स्वास्थ्य परीक्षण कराने आये ऑटो व ई-रिक्शा चालकों का सत्यापन किया गया।

पांच गांजा तस्कर गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 पुलिस ने अमेठी यूनिवर्सिटी एवं नोएडा, दिल्ली स्थित अन्य शिक्षण संस्थानों के छात्राओं एवं आसपास के रहने वाले लोगों को नशीले मादक पदार्थ की सप्लाई करने वाले रैकेट का पदार्फाश किया है।

अपर पुलिस आयुक्त, डीसीपी नोएडा हरिश्चंद्र ने पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि थाना सेक्टर 126 के थाना प्रभारी सुबोध कुमार तोमर एवं एसीपी रजनीश वर्मा की टीम ने मुखबिर की सूचना पर अमेठी यूनिवर्सिटी एवं अन्य शिक्षण संस्थानों के छात्राओं एवं आसपास रहने वाले लोगों को नशीले मादक पदार्थ सप्लाई करने वाले रैकेट का पदार्फाश करते हुए, पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर ,उनके पास से देसी व विदेशी मादक पदार्थ बरामद किए हैं। जिसकी बाजार में कीमत 10 से 12 लाख रुपए बताई गई है, उनके पास से एक लैपटॉप, पांच मोबाइल फोन एवं मादक पदार्थ सप्लाई में प्रयोग किया जा रही स्कूटी, मोटरसाइकिल आदि बरामद किए हैं।

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए गैंग का सरगना सचिन कुमार पुत्र नरेश चंद्र निवासी ग्राम हिमाचल थाना करहल जिला मैनपुरी हाल पता निठारी है। सके अलावा अमेठी का छात्र चेतन अदलका पुत्र कमल अदलका निवासी किशनगंज जिला रोहिणी दिल्ली के साथ मिलकर अपने साथी सागर पुत्र शैलेंद्र कुमार भट्ट निवासी लहान जिला नेपाल हाल पता नगली, निशांत पुत्र यशवंत निवासी बरहेटा थाना कल्याणपुर जिला समस्तीपुर बिहार हाल पता ककराला, हर्ष झा पुत्र दुगाकांत निवासी गोवारी थाना बस्नई जिला सहरसा बिहार हाल पता निठारी बताए हैं।

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त नोएडा में अमेठी यूनिवर्सिटी व नोएडा स्थित अन्य स्कूल कॉलेज व आसपास रहने वाले लोगों को नशीला मादक पदार्थ सप्लाई करते थे।

उत्तर प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए आई बड़ी खबर, इसी साल मलेरिया मुक्त हो जाएगा यूपी

लखनऊ (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश में रहने वाले नागरिकों के लिए एक खुशखबरी आई है। खबर यह है कि पूरा उत्तर प्रदेश इसी साल वर्ष-2024 में मलेरिया बुखार की बीमारी से मुक्त हो जाएगा। साल-2024 के बाद उत्तर प्रदेश में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को न तो मलेरिया बुखार चढ़ेगा और न ही मलेरिया के कारण किसी की मौत होगी।

मच्छर से फैलता है मलेरिया रोग

आपको पता ही है कि मलेरिया रोग मच्छर के काटने से फैलता है। पूरे भारत में मलेरिया रोग को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण की निदेशक डॉ. तनु जैन हैं। डॉ. तनु जैन ने बताया कि इसी साल यानि वर्ष-2024 में उत्तर प्रदेश सहित देश के 21 राज्य मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से मुक्त हो जाएंगे। ऐसे उपाय किए जा रहे हैं कि उत्तर प्रदेश के किसी भी नागरिक को इस वर्ष के बाद मलेरिया बुखार की समस्या से न जूझना पड़े। उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में मलेरिया रोग को शून्य पर लाने का अभियान पूरी तेजी के साथ चलाया जा रहा है। वर्ष-2027 तक पूरे भारत को मलेरिया से मुक्त करने की योजना पर भी काम चल रहा है।

दो राज्य हुए मुक्त

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश को मलेरिया से मुक्त करने से पहले देश के दो राज्य मलेरिया से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की निदेशक डॉ. तनु जैन ने बताया कि भारत के पुडुचेरी तथा लक्षद्वीप राज्यों को उत्तर प्रदेश से पहले ही मलेरिया रोग से मुक्त किया जा चुका है। इन दोनों ही राज्यों में बीते एक साल से मलेरिया रोग का एक भी मामला सामने नहीं आया है। अब उत्तर प्रदेश सहित देश के 21 राज्यों को इसी साल-2024 में तथा पूरे भारत को वर्ष-2027 तक मलेरिया से मुक्त करने का कार्यक्रम बनाया गया है।

इन राज्यों पर है जोर

भारत के जिन राज्यों को मलेरिया मुक्त करने पर जोर दिया जा रहा है। उनमें उत्तर प्रदेश के अलावा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, गोवा, केरल, सिक्कम, चंडीगढ, दमन और दीव, दादरा नगर हवेली, हरियाणा, मणिपुर, पंजाब, राजस्थन, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, नागालैंड, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, गुजरात, तेलंगाना, बिहार, अरूणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, लददाख, पांडुचेरी और लक्षद्वीप शामिल है।

आर्य समाज ने गरीब बस्ती में बांटे कपड़े

गाजियाबाद (चेतना मंच)।

आर्य समाज इन्द्रापुरम के द्वारा वस्त्र वितरण का कार्यक्रम गरीब बस्ती सेंट फ्रांसिस स्कूल के बैक साइड में किया गया।

मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने अपने संदेश में कहा कि ठिठुरती ठंड में जरूरतमंद गरीब लोगों को इस तरह के वस्त्र वितरण के पुनीतकार्यक्रम निरन्तर होते रहने चाहिए। आर्य समाज के प्रधान प्रदीप गुप्ता ने सभी सहयोगियों तथा विशेषकर वैश्य अग्रवाल परिवार के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष हर्ष भाटिया, संजय गुप्ता, मनीष कुमार गुप्ता एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।